संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 213
पृष्ठ 8
गुरूवार
24 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- भूलकर भी दूध के साथ न खाएं...

विचार- राहुल ने खोली चुनाव आयोग की पोल

खेल- पहलगाम आतंकी हमला: पाकिस्तान...

पहलगाम हमला: बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भारत को डराया नहीं जा सकता, हम जोरदार जवाब देंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, भारतीय वायु सेना एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी के साथ जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। वहीं, एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसको लेकर बड़ा बयान भी दिया। उन्होंने सबसे पहले इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत को डराया नहीं जा सकता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुई कायराना हरकत में कई मासूम लोगों की जान चली गई। हम बहुत दुखी हैं। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने कहा कि मैं आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को दोहराना चाहता हूं। आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है... मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न केवल इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे। आरोपियों को जल्द ही जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा, यह मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं। एएनआई की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी ने क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद पहलगाम, जम्मू और कश्मीर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा स्थिति के बारे में रक्षा मंत्री को जानकारी दी। उपर्युक्त सूत्रों के अनुसार, शीर्ष अधिकारी प्रभावित इलाकों में पहुंच गए हैं, स्थानीय सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है और हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी और विनाश अभियान चलाने के लिए अतिरिक्त सैनिकों को इलाके में भेजा जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री ने इस हमले पर ''गहरी पीड़ा'' व्यक्त की और इसे निर्दोष नागरिकों पर कायरतापूर्ण और निंदनीय हमला बताया। मंत्री सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में आतंकवादी हमले की खबर से बहुत दुखी हूं। निर्दोष नागरिकों पर यह नृशंस हमला कायरतापूर्ण और अत्यधिक निंदनीय है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो घुसपैठिए ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह कोशिश जम्मू–कश्मीर में नागरिकों पर सबसे घातक आतंकवादी हमले के एक दिन बाद नाकाम की गई, जिसमें अनंतनाग जिले के पहलगाम के प्रसिद्ध रिसॉर्ट के पास एक घास के मैदान में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति मारे गए थे। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि दो से तीन अज्ञात आतंकवादियों ने उरी नाला के पास सरजीवन के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ की कोशिश की। एलओसी की सुरक्षा में तैनात सतर्क सैनिकों ने इस प्रयास का पता लगाया और उसे रोक दिया, जिसके बाद गोलीबारी हुई।

आतंक के आगे नहीं झुकेगा भारत

मृतकों को श्रद्धांजलि देने के बाद बोले अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए 26 लोगों के शवों पर पुष्पांजलि अर्पित की और बचे लोगों को आश्वासन दिया कि इस नृशंस कृत्य के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही दुश्मनों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गृह मंत्री ने बाद में मारे गए लोगों के परिवारों और हमले में जीवित बचे अन्य लोगों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि सुरक्षा बल इस घातक हमले के दोषियों को सजा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बुधवार रात को हमले के कुछ ही घंटों के भीतर शाह यहां पहुंचे और उन्हें पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने स्थिति के बारे में जानकारी दी। गृह मंत्री ने एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की, जिसमें उपराज्यपाल भी शामिल हुए। प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) आतंकी समूह के एक छाया समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लेकिन इसकी पुष्टि करने वाला सरकारी बयान अभी आना बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में छोड़कर आज सुबह भारत पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता भी की।

पर्यटकों पर हमले के विरोध में कश्मीर रहा बंद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में हाल के वर्षों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को पूरे कश्मीर में पूर्ण बंद रखा गया है। यह हमला अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के पास एक घास के मैदान में हुआ, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई। हुर्रियत नेता और मुताहिदा मजलिस–ए–उलेमा (एमएमयू) के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने भीषण हत्याओं के विरोध में बंद का आह्वान किया था। प्रमुख व्यापार निकायों, परिवहन संघों और नागरिक समाज समूहों ने भी हड़ताल का आह्वान किया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने बंद को अपना समर्थन दिया। अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर में सभी दुकानें, स्कूल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सड़कों से काफी हद तक नदारद रहा। घाटी के प्रमुख शहरों में भी लगभग पूरी तरह से बंद की खबर है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजधानी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती देखी गई। अधिकारियों ने कहा कि व्यापक बंद के बावजूद घाटी के किसी भी हिस्से से हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। पिछले कई वर्षों में कश्मीर में यह पहला ऐसा पूर्ण बंद है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले बंद एक सामान्य घटना थी, जिसे अक्सर अलगाववादी समूह कहते थे। पर्यटकों की हत्या के बाद कश्मीर में मातम छा गया है। इस बीच हमले वाले स्थान पहलगाम के पास बैसरन घास के मैदान के घने जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। सेना, पुलिस, सीआरपीएफ और पैरा कमांडो की संयुक्त टीमें आतंकवादियों की तलाश में इलाके की तलाशी ले रही हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि घातक हमले की शुरुआती जांच से पता चला है कि छद्म वर्दी पहने कम से कम चार आतंकवादी बैसरन में घुसे और ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने लक्ष्य पर गोली चलाने से पहले उनकी धार्मिक पहचान भी पूछी। मंगलवार शाम को श्रीनगर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी।

देश में मुस्लिमों के प्रति बढ़ रहा भेदभाव, पहलगाम आतंकी हमले पर और क्या बोले रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों की मौत पर कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने गहरा दुख जताया है। वाड्रा ने कहा कि पहचान देखकर किसी की हत्या कर देना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए संदेश है, क्योंकि मुसलमान खुद को कमजोर महसूस कर रहे हैं। अल्पसंख्यक खुद को कमजोर महसूस कर रहे हैं। वाड्रा ने बुधवार (23 अप्रैल) को मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मेरी गहरी संवेदना उन लोगों के प्रति है जो इस आतंकवादी कृत्य में मारे गए हैं. ..हमारे देश में, हम देखते हैं कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है, और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि यदि आप इस आतंकवादी कृत्य का विश्लेषण करते हैं, यदि वे (आतंकवादी) लोगों की पहचान को देख रहे हैं, तो वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्योंकि हमारे देश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक विभाजन पैदा हो गया है. ..इससे इस तरह के संगठनों को लगेगा कि हिंदू सभी मुसलमानों के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं। पहचानों को देखना और फिर किसी की हत्या करना, यह प्रधानमंत्री के लिए संदेश है, क्योंकि मुसलमान कमज़ोर महसूस कर रहे हैं। अल्पसंख्यक कमज़ोर महसूस कर रहे हैं...यह बात ऊपर से आनी चाहिए कि हम अपने देश में सुरक्षित और धर्मनिरपेक्ष महसूस करें, और हम इस तरह की हरकतें होते नहीं देखेंगे।

रावलपिंडी को तबाह कर दिया जाना चाहिए

पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद का तीखा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए एक तीखा बयान जारी किया और पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का आह्वान किया। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकी हमले में कम से कम 26 लोगों की जान चली गई। रावलपिंडी को तहस–नहस कर दिया जाना चाहिए! उन्होंने हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों की संदिग्ध संलिप्तता का हवाला देते हुए एक्स पर लिखा कि अब कोई बातचीत नहीं, कोई व्यापार नहीं, कोई क्रिकेट नहीं, कोई सांस्कृतिक गतिविधि नहीं। पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाने का समय आ गया है जिसे वे कभी न भूलें। जय हिंद। इससे पहले एक पोस्ट में उन्होंने हमले की निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकी हमले की खबर बेहद परेशान करने वाली है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। नरेंद्र मोदी सरकार को आतंकवाद को खत्म करने के खोखले दावे करने के बजाय जम्मू–कश्मीर में जमीनी हालात के बारे में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। पहलगाम हमला, जो जम्मू–कश्मीर में हाल के वर्षों में सबसे घातक हमलों में से एक है, पहलगाम के सुंदर बैसरन घास के मैदान में हुआ, जब सैन्य वर्दी पहने आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शांत पर्यटन स्थल पर कुछ ही मिनटों में अराजकता और दहशत का माहौल बन गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है और सुरक्षा बलों ने हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पर्यटकों के मारे जाने पर शोक व्यक्त करता है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें से ज्यादातर पर्यटक हैं। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने हमले के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'हम अनंतनाग जिले में हुए हमले में पर्यटकों की जान जाने से चिंतित हैं। हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

पहलगाम आतंकी हमला: पीएम नरेंद्र मोदी का कानपुर दौरा रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को यूपी के कानपुर में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का दौरा रद्द कर दिया गया है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कई लोगों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद श्रद्धांजलि स्वरूप कानपुर में किसी भी तरह के जश्न या औपचारिक सार्वजनिक कार्यक्रम को स्थगित करना उचित समझा गया। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मधुबनी में पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक पूर्व–निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर के लोग भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को कानपुर दौरा (20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए) रद्द कर दिया गया है... वह कल नहीं आएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाने के लिए बिहार के मधुबनी में अपने पूर्व–निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रम को जारी रखेंगे। यह कार्यक्रम मधुबनी जिले के झंझारपुर ब्लॉक के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में आयोजित किया जाएगा और स्थानीय स्वशासन के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। इस अवसर पर जयनगर से पटना तक नमो भारत ट्रेन सेवा का उद्घाटन भी किया जाएगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क और विकास को बढ़ाना है।

मंगलवार को हुए पहलगाम हमले में जम्मू–कश्मीर के लोकप्रिय स्थल बैसरन घाटी में पर्यटकों को निशाना बनाया गया। हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 26 लोग मारे गए और 17 घायल हो गए।

पहलगाम हमले पर सुप्रीम कोर्ट में 2 मिनट का मौन, पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुई विवेकहीन हिंसा की शैतानी हरकत की कड़ी निंदा की। शमिनी स्विटजरलैंडश कहे जाने वाले बैसरन में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी में कम से कम 26 लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर आतंकवादी कृत्य की निंदा की। आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस क्रूर हमले में जान गंवाने वाले पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी प्रस्ताव में कहा गया इस नासमझ हिंसा के शैतानी कृत्य ने सभी की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और यह आतंकवाद द्वारा फैलाई जाने वाली क्रूरता और अमानवीयता की एक कठोर याद दिलाता है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देता है, जिनकी बेरहमी से और समय से पहले हत्या कर दी गई और साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

पूरे देश के सामने हम शर्मिंदा हैं: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक मार्च का नेतृत्व किया जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हम कश्मीरी इस घटना से शर्मिंदा हैं। यह पूरे जम्मू–कश्मीर पर हमला है। गृह मंत्री को घटना के दोषियों का पता लगाना चाहिए और उन्हें सजा देनी

चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीरियत तो है, लेकिन हम पूरे देश के सामने शर्मिंदा हैं। मुफ्ती ने कहा कि जो कल पहलगाम में हमला हुआ वह केवल मासूम पर्यटकों पर हमला भर नहीं था बल्कि जम्मू कश्मीर के लोगों पर हमला था। हम इसकी निंदा करते हैं। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री यहां आए हुए हैं, मेरी उनसे अपील है कि वे पता लगाएं कि इसमें कौन लोग शामिल थे ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए... मैं आपसे शर्मिंदा हूं, कश्मीरी आपसे शर्मिंदा हैं कि आप यहां आए और आपके साथ इतना बड़ा हादसा हुआ। इस समय हमें सियासत करने की जरूरत नहीं है। मैं एक बार फिर अपने देश के लोगों से माफी मांगना चाहती हूं और शर्मिंदगी जाहिर करना चाहती हूं। PDP नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि मेरा गृह मंत्री से यही आग्रह है कि एक इंक्वायरी बैठे और इसकी जांच हो कि इस घटना के पीछे कौन लोग हैं।

आतंकवादी चुनौती से निपटने को सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम में हुई आतंकवादी हमले को कायराना कार्रवाई करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि सरकार को आतंकवाद से निपटने की रणनीति पर विचार करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को यहां जारी एक वक्तव्य में पहलगाम आतंकवादी हमले पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घटना पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश पर सीधा हमला है और इसकी जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने ली है जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। श्री खरगे ने कहा, "सरकार से हम अपेक्षा करते हैं कि जब जरूरी कार्रवाई हो जाए और पूरी मालूमात हासिल हो गई हो तो, वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर आतंकवाद की चुनौती से निपटने के बारे में चर्चा करेगी। उन्हें सर्वदलीय बैठक बुलाकर कुछ सलाह लेनी चाहिए। यह राजनीति नहीं है और हम इस स्थिति में राजनीति नहीं चाहते। कांग्रेस आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकार के साथ समन्वय, सहयोग और साझेदारी करने को प्रतिबद्ध है। हमने समय–समय पर आतंकवाद और अलगाववाद का डट कर मुकाबला किया है और इसके खिलाफ़ लड़ाई में हमारी शीर्ष नेतृत्व ने अपने जीवन की आहुति भी दी है।" उन्होंने कहा, "कल दोपहर करीब 2.30 बजे, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या से हमें गहरा दुःख और सदमा पहुँचा है। कांग्रेस पार्टी कड़े से कड़े शब्दों में इस कायराना करवाई की निंदा करती है। यह हमला हमारे देश की एकता और अखंडता पर कायराना हमला है। वर्ष 2000 के छत्तीसिंह पुरा आतंकी हमले के बाद अब 25 साल बाद यह सबसे बड़ा हमला है जो निर्दोष, निहत्थे नागरिकों को मारते हैं इंसान नहीं हो सकते।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "मैंने कल देर रात गृहमंत्री अमित शाह, जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुलाह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ नेताओ से बात की। इस विषय पर चर्चा के लिए कल सुबह 11 बजे कांग्रेस मुख्यालय में कार्यसमिति की बैठक होगी। इसीलिए मैंने अपना कार्यक्रम पहले ही तय कर लिया है और मैं दिल्ली जा रहा हूँ।

प्रयागराज में 202 पुलिस कर्मियों के हुए तबादले

प्रयागराज। जिले में कानून व्यवस्था सुधार के लिए प्रयागराज कमिश्नरेट में बड़े स्तर पर तबादले की कार्रवाई शुरू हो गई है। हाल ही में पुलिस निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया था। वहीं अब एडीसीपी अजयपाल शर्मा ने एक साथ 202 पुलिस कर्मियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इसमें उपनिरीक्षक, पुरुष व महिला मुख्य आरक्षी व आरक्षी शामिल हैं। एडीसीपी अजयपाल शर्मा ने 202 महिला व पुलिस कर्मियों के तबादले करने का आदेश जारी किया है। वहीं, कई पुलिस कर्मी काफी लंबे समय से एक ही जगह पर तैनात थे। जिले में कानून व्यवस्था में सुधार लाने के लिए पुलिस कर्मियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव करने की कवायद की गई है। एक साथ 202 पुलिसकर्मियों के तबादले से पुलिस महकमे में खलबली मची है।

नैनी के देवांश मोहन द्विवेदी को मिली 228वीं रैंक

प्रयागराज। दसवार मांडा के मूल निवासी और वर्तमान में पूरा फतेह मोहम्मद नैनी में रह रहे देवांश मोहन द्विवेदी को यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 228वीं रैंक मिली है। इससे पहले 2023 की परीक्षा में दूसरे प्रयास में उन्हें 333वीं रैंक मिली थी और आईआरएस के लिए चयन हुआ था।

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी से 2014 में 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल और 2016 में 95.6 फीसदी अंकों के साथ इंटर करने वाले देवांश ने अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध शहर के एक निजी कॉलेज से 88 प्रतिशत अंकों के साथ बीटेक किया है। 2021 में पहले प्रयास में मुख्य परीक्षा तक का सफर तय किया लेकिन साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया गया। उनके पिता विश्व मोहन द्विवेदी जिला सेवायोजन कार्यालय में इंस्ट्रक्टर लैंग्वेज के पद पर कार्यरत हैं और मां सविता द्विवेदी गृहणी हैं। बाबा श्यामधर द्विवेदी सेना से सेवानिवृत्त हैं। हाईस्कूल में रोबोटिक्स में शानदार काम के लिए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने देवांश को सम्मानित किया था। देवांश की बहन अनुष्का द्विवेदी ने 2020 में 99.4 प्रतिशत अंकों के साथ डीपीएस से 12वीं की परीक्षा पास की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान में गोल्ड मेडलिस्ट अनुष्का भी यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं।

तीन दिन में जवाब न दाखिल किया तो होगी कार्रवाई

प्रयागराज। आईजीआरएस पर आई शिकायतों के निस्तारण में चार लोगों को कारण बताओ नोटिस दिया है। एडीएम सिटी सत्यम मिश्र ने तीन दिन में जवाब न देने पर कार्रवाई की संस्तुति करने की चेतावनी दी है। आईजीआरएस पर आई शिकायत का निस्तारण करने में एसडीओ विद्युत हंडिया, सप्लाई इंस्पेक्टर हंडिया, एडीओ पंचायत सोरांव, तहसीलदार सोरांव को नोटिस जारी किया गया है। चारों ने ऑनलाइन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक नहीं किया। एडीएम सिटी सत्यम मिश्र ने बताया कि सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। तीन दिन में सही जवाब न देने पर कार्रवाई की जाएगी।

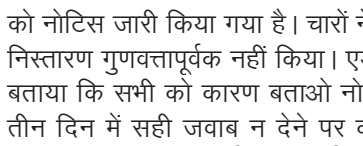

कवि सम्मेलन में नीलोत्पल मृणाल का रहेगा आकर्षण

प्रयागराज। आसरा फाउंडेशन की ओर से इस बार दो दिन का ठिठोली महोत्सव 25 व 26 अप्रैल को प्रीतमनगर दुर्गा पूजा पार्क में आयोजित किया जाएगा। पहले दिन भोजपुरी नाइट्स तो समापन होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के चर्चित कवि नीलोत्पल मृणाल भी काव्य पाठ करने आएंगे। जबकि सम्मेलन के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी रहेंगे। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी आसरा ने बताया कि महोत्सव लायन पंकज पाठक को समर्पित किया गया है। जिनके नाम पर 21 हजार रुपये का नगर गौरव सम्मान किसी एक शख्सियत से उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा।

अंतरराज्यीय शातिर चोर गिरोह की तलाश में प्रतापगढ़ से दिल्ली तक दबिश

प्रयागराज। जीएसटी अधिकारी के फ्लैट में चोरी करने वाला अंतरराज्यीय चोर गिरोह के एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस अन्य शातिरों की तलाश में जुट गई है। गिरोह के सदस्यों की तलाश में पुलिस टीम प्रतापगढ़ से लेकर दिल्ली तक दबिश देने में जुटी है। गिरोह के मुखिया पर यूपी के प्रयागराज व कानपुर के अलावा दिल्ली, सूरत व पश्चिम बंगाल में 20 मामले दर्ज हैं। जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर अमित कुमार सिंह ने 14 अप्रैल को सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। वह 11 से 13 अप्रैल तक साईंधाम अपार्टमेंट स्थित अपने फ्लैट में ताला बंद कर लखनऊ गए थे। इसी बीच चोर फ्लैट का ताला तोड़कर सोने की दस अंगूठी, चार मंगलसूत्र, चार हार, चार चेन व डेढ़ लाख रुपये चोरी कर ले गए थे। सिविल लाइंस पुलिस ने मंगलवार को राजापुर कब्रिस्तान के समीप प्रतापगढ़ जिले के छोटी अख्तियारी कोटिला थाना हथगवां निवासी राकेश कुमार सरोज को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में अपने भाई राजेश और पड़ोसी गोलू के भी चोरी में संलिप्त होने की जानकारी दी है। गिरोह पहले रेकी करता है फिर इसके बाद चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। आरोपी राकेश व उसके भाई का दिल्ली में तीन और प्रतापगढ़ में आलीशान मकान है।

सीडीओ गौरव कुमार को कर्मचारियों ने दी बधाई

प्रयागराज। जिले में बतौर सीडीओ तैनात रहे गौरव कुमार का तबादला नगर आयुक्त लखनऊ के पद पर हो गया है। उनके ट्रांसफर के बाद विकास भवन में कर्मचारियों ने नई तैनाती के लिए बधाई दी। गौरव प्रयागराज में लगभग तीन वर्षों तक रहे। इस दौरान जिले के विकास कार्यों के लिए उन्होंने लगातार काम किया। उनके कार्यकाल के दौरान महाकुम्भ का आयोजन हुआ। इसमें उन्होंने जिले की विकास योजनाओं को बनवाया और संपर्क मार्गों का विस्तार कराया। बधाई देने वाले लोगों में डीडीओ भोलानाथ कनौजिया, पीडीडीआरडीए अशोक कुमार मौर्य, विकास भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष केके श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नौकरी की चाह में सेहत पर असर, फिर भी गुनहगार

प्रयागराज। उन्नाव में पिछले दिनों सड़क हादसे में परिषदीय स्कूल की तीन शिक्षिकाओं की मौत से लाखों शिक्षक सदमे में हैं। स्कूल आने–जाने के दौरान आए दिन होने वाली इस प्रकार की घटनाएं उस हकीकत को सामने रखती है जिससे प्रदेश के पांच लाख से अधिक परिषदीय शिक्षक हर दिन दो–चार होते हैं। प्रयागराज में भी दो महीने पहले स्कूटी से स्कूल जा रही शिक्षिका की सड़क हादसे में जान चली गई थी। उन शिक्षिकाओं का दर्द समझने की कोशिश की गई जो लंबी दूरी तय करके पढ़ाने जाती हैं। शिक्षिकाओं का कहना है कि नौकरी के लिए परिवार को समय नहीं दे पातीं। लंबे समय तक गाड़ी में सफर करने के कारण अधिकांश शिक्षिकाओं को सर्वाइकल, स्पांडलाइटिस जैसी बीमारी ने घेर रखा है। फिर भी स्कूल पहुंचने में पांच मिनट की देरी पर विभागीय अफसर हमारे साथ गुनहगारों जैसा सलूक करते हैं। एक तरफ से 75 किलोमीटर तक का सफर तय करके स्कूल पहुंचने के दौरान जाम, गाड़ी खराब होने या किसी दूसरे कारण से पांच मिनट की देरी होने पर भी नोटिस दिया जाता है।

जिले के अंदर आठ साल से ओपन ट्रांसफर और समायोजन न होने से दूरदराज के इलाके में फंसे शिक्षक शहर के नजदीक नहीं आ पा रहे। शिक्षकों का कहना है कि उनका पद जिला कैडर होने के बावजूद वर्षों से सुदूर ब्लॉक में फंसे अध्यापकों को कोई पूछने वाला नहीं है। 2017 से अब तक चार बार हुए अंतर जनपदीय स्थानांतरण के चलते दूसरे जिलों से आए शिक्षक–शिक्षिकाओं को जिला मुख्यालय के अपेक्षाकृत करीब विद्यालय में तैनाती दे दी गई जबकि जिले के अंदर पहले से सेवारत वरिष्ठ शिक्षक तबादले का इंतजार कर रहे हैं। मार्च 2009 के बाद से नियुक्त सहायक अध्यापकों की 16 साल बाद भी पदोन्नति नहीं हो सकी है। पदोन्नति होने पर भी स्कूल बदलने पर थोड़ी दूरी कम हो सकती है लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण न तो तबादला हो रहा है और न ही पदोन्नति। शिक्षिकाओं का कहना है कि उनकी तैनाती के नियम में बदलाव करते हुए रोटेशन की व्यवस्था लागू होनी चाहिए जिससे बारी–बारी से सभी शिक्षकों को दूर के स्कूलों में तैनाती दी जा सके। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष अनुरागिनी सिंह कहती हैं कि अफसरों को शिक्षिकाओं के साथ मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। हम पूरी निष्ठा के साथ अपने काम को करना चाहते हैं। यही कारण है कि प्रतिदिन भोर में तीन–चार बजे उठ जाते हैं ताकि समय से स्कूल पहुंच सकें। इसी हड़बड़ी में कई बार हादसे होते हैं और शिक्षिकाओं की मौत हो जाती है। तीन साल में टोल टैक्स 300 से साढ़े तीन हजार हो गया है।

अधिकारी कहते हैं कि वह 6.30 बजे पहुंच सकते हैं तो पहुंचने के लिए साढ़े पांच बजे घर छोड़ना पड़ता है। कभी–कभी देर हो जाए तो अधिकारी सुनने को तैयार नहीं होते। अत्यधिक तनाव के बीच रोज 70– 80 किमी सफर करने के कारण कमर व गले में दर्द बना रहता है।–मोनिका द्विवेदी

रोजाना लम्बे सफर के कारण हड्डियों में समस्या आ गई है। रीढ़ की हड्डी में हमेशा दर्द रहता है। गर्दन हिलाने में भी परेशानी होती है। किसी तरह कुशन लगाकर सफर तय करते हैं। हमेशा बेल्ट लगाकर रखना पड़ता है बिना उसके काम नहीं चल पाता।–नीलिमा सिंह

अल्लापुर में आवास है और मांडा ब्लाक में तैनाती, 60–65 किमी की दूरी तय करके किसी तरह स्कूल पहुंचते हैं। सुबह तीन बजे उठकर अपने काम निपटाने होते हैं ताकि पांच बजे घर छोड़ सकें। बारह साल से रोज यह समस्या झेल रहे हैं।–संगीता सिंह

शिक्षक क्यों नहीं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमें रोज लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, कोई एक दिन नहीं। कभी देर हो जाए तो कार्रवाई तय है। इससे शिक्षकाएं बेहद तनाव में रहती हैं।–अनुरागिनी सिंह

अपने घर सुलेमसराय से प्रतिदिन 60 किमी दूर प्रतापपुर स्थित स्कूल तक का सफर बेहद भारी पड़ता है। स्कूल पहुंचने की हड़बड़ी में न तो खानपान पर ध्यान दे पाते हैं न ही स्वास्थ्य पर। परिवार पर भी उतना ध्यान नहीं दे पाते जितना देना चाहिए।–कविता त्रिपाठी

सुबह सात बजे स्कूल जाना होता है। सर्वाइकल की समस्या हो गई है। मानसिक तनाव बना रहता है। यदि सरकार की ओर से बस चलवाई जाए तो छोटी गाड़ी से दुर्घटना का खतरा कम हो जाएगा। टोल टैक्स से छूट मिलनी चाहिए।–अन्नू गोयल

छह घंटे की ड्यूटी बारह घंटे की हो जाती है। सड़क से प्रतिदिन करीब 150 किमी की दूरी तय करने से कई बीमारियां हो गई है। हर ब्लॉक के लिए सरकारी बस चलनी चाहिए और किराया तय हो जिससे प्राइवेट गाड़ी वालों की लूट पर लगाम लगे।–जया त्रिपाठी

तेलियरगंज से जंघई 65 किमी दूर जाना पड़ता है। नौकरी के साथ घर संभालना संभव नहीं हो पाता। स्कूल 20 किमी दूर होना चाहिए। सफर के कारण शरीर में दर्द, तकलीफ आम समस्या है। रोजाना चार–पांच घंटे तो सफर में ही बीत जाता है।–ज्योति विश्वकर्मा

रोज करीब 130 किमी आने जाने के कारण कमर दर्द की समस्या पैदा हो गई है। सर्वाइकल का इलाज चल रहा है। स्कूल पहुंचने में जरा सी देरी बड़ा अपराध हो जाता है। सुबह उठते ही मानसिक दवाब में रहते हैं। हमें तो इन्ही परिस्थितियों में काम करना है।–प्रतिभा यादव

रोज तीन–चार साधन बदलते हैं तब कहीं स्कूल पहुंच पाते हैं। अल्लापुर में घर है वहां से रोज मांडा जाना पड़ता है। साल में मिलने वाले 14 सीएल में इजाफा किया जाना चाहिए और ट्रांसफर नीति ऐसी बने कि शिक्षिकाओं को राहत मिल सके।–माया गिरि

शंकरगढ़ के स्कूल में तैनाती के कारण महेवा में घर बनवा लिया। समय पर स्कूल पहुंचने की हड़बड़ी के कारण हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में दिक्कतों के कारण अपने साधन से जाने लगी पर पास होने के बावजूद टोल पर पैसे कट जाते हैं।–उर्वशी श्रीवास्तव

रोजाना सड़क से 120 किमी का सफर करना पड़ता है। नारी बारी के स्कूल में सुबह सात बजे पहुंचना होता है। यह दूरी कम हो जाए और पास के किसी विद्यालय में ट्रांसफर हो जाए तो राहत मिले। ट्रांसफर के लिए आवेदन किया लेकिन सुनवाई नहीं हुई।–नूपुर गुप्ता

मऊआइमा के विद्यालय में पिछले 12 वर्ष से प्रभारी हूं। बम्हरौली से 55 किमी दूर स्कूटी से मऊआइमा जाना बेहद थकाऊ होता है। एक साल में 12 बार दुर्घटना हो चुकी है, कई जगह फैक्चर हुआ, लेकिन मजबूरी में स्कूटी चलानी पड़ती है।–अनुपमा प्रताप

घर करेली और विद्यालय प्रतापपुर में है। रोज सौ किमी का सफर तय करते हैं। स्कूल समय से पहुंचने के दबाव और तनाव के कारण शुगर, हाई ब्लडप्रेशर, थॉयराइड जैसी बीमारियों ने घेर लिया है। पास के किसी स्कूल में तबादला हो तो राहत मिले।–कहकशां अनवार

मरम्मत के लिए 22 अप्रैल से फाफामऊ पुल बंद हो रहा है। स्टील ब्रिज खोला नहीं जाएगा। पीपा पुल पर जाम लगता है। अस्थायी पुल पर सुरक्षा का खतरा भी रहता है। इन परिस्थितियों में समय से झलवा से मऊआइमा स्कूल पहुंचना मुश्किल होता है।–अमृता सिंह

आधा समय तो स्कूल आने जाने में ही निकल जाता है। स्कूल पहुंचने का इतना दबाव रहता है कि नाश्ते का भी होश नहीं रहता। 37 किमी दूर स्कूल पहुंचने के लिए 7.5 किमी खेत–खिलहान से गुजरना पड़ता है। हमारे खिलाफ कार्रवाई से पहले समस्या तो सुनिए।–सुधा शुक्ला

प्रीतमनगर से कोरांव एक तरफ 110 किमी जाने के लिए सुबह 3रू30 बजे उठना पड़ता है। 5रू30 बजे घर से निकलते हैं फिर भी कई बार समय से नहीं पहुंच पाते। सात साल से ओपन ट्रांसफर नहीं हुआ जिससे थोड़ा पास आने की गुंजाइश बन पाती।–प्रतिभा सिंह

प्रतिदिन 80 किमी दूर स्कूल

- सड़क मार्ग से 100 से 150 किमी का सफर प्रतिदिन तय करना पड़ता है, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- सुबह स्कूल पहुंचने के तनाव के कारण स्वयं एवं परिवार पर ध्यान नहीं दे पा रहीं हैं।
- पांच मिनट की देरी पर भी दंड का भागी बनना पड़ता है, अधिकारी सुनने को तैयार नहीं होते।
- प्रभारियों के सामने छुट्टी की समस्या रहती है, रविवार को भी सरकारी कार्यों के लिए जाना पड़ता है।
- रोडवेज बसों का स्टॉपेज न होने के कारण प्राइवेट वाहनों का प्रयोग करना पड़ता है जो बेहद कष्टदायी है।
- कई बार रविवार या अवकाश के दिन सरकारी काम से बुला लिया जाता है जिससे परिवार को समय नहीं दे पाती।
- स्थानांतरण नीति में बदलाव कर शिक्षिकाओं को कम दूरी के विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए।
- भय के वातावरण को दूर कर मानवीय मूल्यों के आधार पर कार्रवाई से तनाव से मुक्ति मिल सकेगी।
- कभी जाम अथवा विशेष कारणों से कुछ विलंब होने पर मानवीय आधार पर दंडात्मक कार्रवाई न हो।
- प्रभार देने के कार्य में इस प्रकार व्यवस्था हो कि एक ही शिक्षिका पर बोझ न पड़े।
- सरकारी बसों के स्टश्वपेज इस प्रकार हों कि शिक्षिकाएं उसका प्रयोग कर सकें।
- छुट्टी पर सरकारी काम से बुलाया जाए तो प्रतिकर अवकाश (ईएल) भी दिया जाए।

सौम्या, स्मृति के बाद अब शक्ति ने बढ़ाया शहर का मान

प्रयागराज। शिक्षा की नगरी के रूप में विख्यात प्रयागराज का सिर एक बार फिर बेटी ने गर्व से ऊंचा कर दिया। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में पूरे देश में टॉप करने वाली शक्ति दुबे प्रतियोगी छात्रों के लिए रोल मॉडल बनकर उभरी हैं। खास बात यह है कि शक्ति ने प्रयागराज से ही 12वीं तक पढ़ाई की और स्नातक भी यहीं से किया है। पिछले एक दशक के परिणाम पर नजर दौड़ाएं तो यह तीसरा मौका है जब प्रयागराज की बेटियों ने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा में टॉप फाइव में स्थान बनाया है। इससे पहले बाघम्बरी गद्दी अल्लापुर की रहने वाली स्मृति मिश्रा ने 2022 की परीक्षा में चौथा प्राप्त किया था।

25 साल की स्मृति ने दिल्ली विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल की और वहीं से तैयारी की थी। स्मृति से पहले हाशिमपुर रोड की रहने वाली सौम्या पांडेय ने सिविल सेवा परीक्षा 2016 में चौथा स्थान हासिल किया था। महज 23 साल की उम्र में आईएएस बनने वाली सौम्या पांडेय की पूरी पढ़ाई प्रयागराज से हुई थी। 10वीं और 12वीं दोनों ही परीक्षा में सौम्या ने जिले में टॉप किया था। उसके बाद मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) से 2015 में बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में टॉप कर गोल्ड मेडल हासिल किया था। स्मृति को तीसरे जबकि सौम्या को पहले प्रयास में सफलता मिली थी। वहीं 2009 के परिणाम में इवा सहाय को अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक मिली थी। 2009 के परिणाम में तीसरा स्थान और लड़कियों में टॉप करने वाली इवा के पिता विजय शंकर सहाय उस वक्त इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एंथ्रोपोलॉजी विभाग के अध्यक्ष थे।

2023 की परीक्षा में कटघर मुठ्ठीगंज की रहने वाली वरदाह खान को 18वीं रैंक मिली थी। वरदाह खान ने 10वीं की पढ़ाई 2015 में 91 प्रतिशत सेंट मेरीज कॉन्वेंट स्कूल से पूरी करने के बाद 12वीं की परीक्षा केंद्रीय विद्यालय ओल्ड कैंट से 95 प्रतिशत अंकों के साथ 2017 में पास की थी। इसके बाद खालसा कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम ऑनर्स किया और संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी भी करती रहीं।

शक्ति ने वो कर दिखाया जो दशकों में न हो सका

प्रयागराज। संगमनगरी के लिए साल 2025 मंगलवार को और खास हो गया। महाकुम्भ के कारण देश–दुनिया को आकर्षित करने वाले प्रयागराज का नाम एक बार फिर पूरे देश में सुर्खियों में है। दूसरे शब्दों में साल 2025 महाकुम्भ के साथ ही देश की सबसे प्रतिष्ठित और सबसे कठिन सिविल सेवा परीक्षा 2024 में टॉप करने वाली शक्ति दुबे की सफलता के लिए भी जाना जाएगा। यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि शक्ति ने इस परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल कर कई दशकों का सन्नाटा तोड़ा है। इससे पहले 1981 बैच में प्रदीप शुक्ला के टॉप करने की बात कही जाती है। हालांकि कहीं पर इसकी अधिकृत सूचना नहीं है। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज से हाईस्कूल और इंटर में यूपी बोर्ड में टॉप किया था। उसके बाद सबसे बड़ी सफलता 2009 में तीसरी रैंक पाने वाली इवा सहाय को मिली थी। 14 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिन चले महाकुम्भ को लेकर पूरी दुनिया में उत्साह देखने को मिला था। इस दौरान 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा–यमुना के पवित्र संगम में स्नान किया। मीडिया में चारों ओर सिर्फ प्रयागराज का ही नाम छाया हुआ था। मंगलवार को एक बार फिर देशभर की मीडिया में प्रयागराज का नाम शक्ति दुबे के कारण छा गया।

बेली अस्पताल में युवक के कूल्हे का प्रत्यारोपण किया

प्रयागराज। बेली अस्पताल में मंगलवार को एक मरीज के कूल्हे का सफल प्रत्यारोपण किया गया। लगभग दो घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति सामान्य है।

प्रतापगढ़ के 21 वर्षीय नीरज पटेल का कूल्हा एक साल से खराब था। वह चलने में असमर्थ थे। उन्होंने बेली अस्पताल के वरिष्ठ अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. एआर पाल से इलाज के लिए संपर्क किया। उन्होंने नीरज को कूल्हा प्रत्यारोपित कराने की सलाह दी। डॉ. पाल के नेतृत्व में ऑपरेशन टीम में डीआरपी डॉ. कुलदीप, एनेस्थेटिस्ट डॉ. नीरज गुप्ता, ओटी टेक्नीशियन बाबूलाल मौर्य, ओटी इंचार्ज अर्चना मित्रा व ऋषभ शामिल रहे। डॉ. पाल ने बताया कि मरीज का ऑपरेशन आयुष्मान योजना के अंतर्गत किया गया।

पुलिसकर्मी की बेटी ने किया कमाल

प्रयागराज। सिविल सेवा परीक्षा 2024 का परिणाम संगमनगरी के पुलिस महकमे के लिए भी गर्व का विषय बना है। एक बार फिर पुलिसकर्मी की बेटी ने सफलता के शीर्ष पर पहुंचकर सफलता के पीछे अनुशासित जीवन का मूलमंत्र दिया है। आईएएस की परीक्षा में पूरे देश में टॉप करने वाली शक्ति दुबे के पिता देवेन्द्र दुबे एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस ट्रैफिक प्रयागराज कार्यालय में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। वहीं 2022 की परीक्षा में चौथा प्राप्त करने वाली बाघम्बरी गद्दी अल्लापुर की स्मृति मिश्रा के पिता राजकुमार मिश्रा भी परिणाम जारी होने के समय बरेली में सीओ द्वितीय के रूप में तैनात थे। एक साल बाद फिर बेटी ने मारी बाजी। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में शक्ति दुबे के रूप में एक साल बाद फिर बेटी ने टॉप किया है। 2023 की परीक्षा में लखनऊ के आदित्य ने टॉप किया था। 2022 में इशिता किशोर जबकि 2021 में श्रुति शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने शक्ति दुबे को यूपीएससी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है। कहा कि शक्ति ने प्रयागराज का सम्मान बढ़ाया है और सिद्ध कर दिया कि यदि परिवार का विश्वास और प्रोत्साहन मिले तो लगन और परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शक्ति के साथ–साथ अन्य लड़कियों ने मेरिट के प्रथम दस स्थानों में चार व प्रथम 20 में आठ स्थान प्राप्त कर जो कीर्तिमान स्थापित किया है वह आने वाले समय में अनगिनत लड़कियों को प्रेरित करेगा।

जनसंपर्क की शुरुआत ही सत्य के आधार पर होती है: अमित मालवीय

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रयागराज केंद्र पर महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे के डॉ. अमित मालवीय रहे। यह कार्यक्रम विश्ध्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की प्रेरणा से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य्य अतिथि डॉ. अमित मालवीय ने कहा कि जनसंपर्क की शुरुआत ही सत्य के आधार पर होती है। विभिन्न माध्यमों से मिली जनता की आवश्यकताओं और उनसे संबंधित सूचनाओं को प्रशासन तक पहुंचाना ही जनसंपर्क विभाग का कार्य है। महाकुंभ आयोजन के दौरान सुगम गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा, विकास परियोजनाएं शुरू की गईं थीं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मदर्स प्राइड में शोक सभा का आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज मदर्स प्राइड में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण, छात्रगण एवं कर्मचारीगण एकत्रित हुए और मोमबत्तियाँ जलाकर देश के वीर शहीदों को नम आँखों से श्रद्धांजलि दी। शोक सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखा गया

तथा सभी ने मिलकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने का संकल्प लिया। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल आतंकवाद के विरुद्ध अपनी आवाज़ बुलंद करना था, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों और संवेदनाओं को भी अभिव्यक्त करना था। स्कूल कि डायरेक्टर डॉ रिंकू एस गोयल ने कहा कि मदर्स प्राइड परिवार इस दुरूखद घटना की कड़ी निंदा करता है और पीड़ित परिवारों के साथ अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता है।

नगर को अतिक्रमण मुक्त कराना जिलाधिकारी व नगरपालिका की अच्छी पहल

मुज़फ्फरनगर सकाफी लंबे समय से नगरपालिका के बाहर शाम के समय ठेली खोमचे वालो ने फ़ास्ट फूड व चाट का बाजार लगाना शुरू किया था जिसके चलते टाउन हॉल के सामने से वाहन निकलना तो दूर पैदल चलना भी दुर्भर हो गया था साथ ही टाउन हॉल परिसर में महापुरुषों की प्रतिमा भी एकांतवास में चली गयी थी। जिसको पूर्व में भी कई बार इस चाट बाजार को हस्तांतरित करने का प्रयास किया गया परन्तु कतिपय

नेताओ व व्यापारी नेताओ के चलते प्रशाशन का प्रयास सफल नही हुआ लेकिन जिलाधिकारी मुज़फ्फरनगर व नगरपालिका प्रशाशन के कठोर निर्णय के चलते ये बाजार यहां से बंद किया गया जिसका विरोध कई सामाजिक संगठन व व्यापारी संघटनो द्वारा जारी था। इसी के चलते एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से भी मिला जिसपर जिलाधिकारी ने दो टूक शब्दों में कहा कि उस जगह कोई बाजार नही लगने दिया जाएगा अतिक्रमण नही होने दिया जाएगा लेकिन इन चाट बाजार वालो को किसी ओर जगह स्थापित किया जाने पर विचार अवश्य किया जाएगा । जिलाधिकारी के इस निर्णय की नगर को साफ व अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास करने वालो ने मुक्त कंठ से प्रशंशा की।

प्रयागराज के लिए गौरव का पल: महापौर गणेश केसरवानी

महापौर ने घर पहुंचकर UPSC सिविल सेवा परीक्षा टॉपर को दी बधाई

प्रयागराज। प्रयागराज की बेटी शक्ति दुबे जी ने संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 के अन्तिम परिणाम में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर नैनी मामा भांजा उनके आवास पर महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी पहुंचकर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं दी। महापौर ने कहा आपकी कठिन

मेहनत, समर्पण और अनुशासन ने आज आपको यह शानदार सफलता दिलाई है। आप पर गर्व है कि आपने अपने लक्ष्य को इतना ऊँचा रखा और उसे हासिल भी किया। आपकी यह सफलता न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार और पूरे समाज के लिए भी गर्व का विषय है। आशा है कि आप इसी तरह आगे भी नई ऊँचाइयों को छुएं और सफलता की नयी मिसाल कायम करें। महापौर ने और भी सभी सफल अभ्यर्थियों को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। साथ में प्रमोद जायसवाल मोदी जी गिरीजेश मिश्रा जी राजन शुक्ला जी पार्षद संजय कुमार जी बलराज पटेल जी कुलदीप गोस्वामी जी हिमालय सोनकर जी आदि।

महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य से शिष्टाचार मुलाकात की

लखनऊ, संवाददाता। राजकीय ऑप्टोमेट्रिस्ट संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने महानिदेशक महोदय एवं डायरेक्टर राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं संयुक्त निदेशक नियुक्त उपचार से शिष्टाचार मुलाकात की जिसमें महानिदेशक महोदय ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई दी। इस मौके पर पदाधिकारी ने संगठन से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की जिनमें मुख्य बिंदु वेतन विसंगत, प्रमोशन पदों पर राजपत्रित, केंद्र के समान शैक्षिक योग्यता एवं अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही संघ के साथ एक जल्द ही बैठक करने करने का आश्वासन दिया गया शिष्टाचार मुलाकात में नेत्र विभाग में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी संदीप खरे एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारी में अध्यक्ष सर्वेश पाटिल महामंत्री रविंद्र यादव कोषाध्यक्ष कमलेंद्र सिंह संयुक्त सचिव डी डी वर्मा एवं सरला यादव उपस्थित रहे।

जैन समाज ने सांसद हरेंद्र मलिक को दिया मांग पत्र

सड़क से सदन तक जैन समाज के मुद्दों को उठाएंगे: हरेंद्र मलिक

जैन समाज अपने अधिकारों हेतू पूर्ण जागरूक व एकजुट: गौरव जैन

मुजफ्फरनगर। गौरतलब है कि हाल ही में जैन धर्मावलंबियों पर अत्याचार की घटनाओं में अचानक बढ़ोतरी हुई है जैनो पर चहु ओर बेहताशा अत्याचार के विरुद्ध चार दिवसीय विरोध

प्रदर्शन के तहत जैन समाज सक्रिय रूप से भागेदारी निभा रहा है प्रमुख मुद्दों मे बड़ौत की दुर्घटना में दिवंगत व घायलों के परिवारों की सरकार द्वारा अनदेखी,जैन सन्तो पर लगातार हो रहे हमले जिसमे हाल ही में मध्यप्रदेश के नीमच की घटना,मुम्बई में आनन–फानन में जैन मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया व जैन शास्त्रों का भी अपमान किया गया,जैन तीर्थ सम्मेद शिखर जी पर तीर्थ यात्रियों प असमाजिक तत्वों द्वारा हमला किया जाना जिसमे हाल ही में एक दम्पति जिसमें गर्भवती महिला भी थी उनको वहां की सड़कों पर दौड़ा–दौड़ा कर पीटा गया,जबलपुर में भाजपा नेताओं द्वारा जैनो के प्रति घृणा भाव व्यक्त करते हुए अपमान जनक ऑडियो वायरल होना,जैन तीर्थ गिरनार पर सुरक्षा व्यवस्था का अभाव/असामाजिक तत्वों की अधिकता/जैन तीर्थ यात्रियों पर बार बार हमले,भाजपा राज में जैन विरोधी व देश द्रोही संगठन ष्अनूप मंडलष जैसे संगठन का फलना फूलना व उन पर तमाम जैन विरोधी साजिशों के बावजूद इस संगठन पर प्रतिबंध नही लगना मुख्य मुद्दे रहे।

उक्त मुद्दों को लेकर सकल जैन समाज,मुज़फ्फरनगर ने आक्रोश व्यक्त करते हुए एक मांग पत्र मुजफ्फरनगर से समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक को दिया

सांसद हरेंद्र मलिक ने जैन समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह जैन समाज के साथ है व सरकार इसी प्रकार अनदेखी करती रही तो समाज के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक भी लड़ी जायेगी ।

जैन एकता मंच युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव जैन ने कहा कि आज की भाजपा सरकार जैन समाज के साथ हो रहे अत्याचार व अन्याय के विरुद्ध कोई ठोस कदम नही उठा पा रही है व जैन समाज सरकार की ओर से उपेक्षित महसूस कर रहा है किंतु अपने अधिकारों के लिऐ एकजुट व जागरूक है और अत्याचार के विरुद्ध इस आंदोलन को थमने नहीं देगा ।

भारतीय सकल जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप जैन ने कहा की लागतार जैन समाज पर हिंसा बढ़ रही है व इन अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन भविष्य में और अधिक गति पकड़ेगा तथाआज जैन समाज विपक्ष की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। संबोधित करने वालो में नितिन जैनश्मोंटूश,अश्वनी जैन,अखिलेश जैन,आशीष जैन भी रहे। ज्ञापन देने वालो में मुख्य रूप से जैन एकता मंच युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव जैन,भारतीय सकल जैन समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन,सकल जैन युवा संगठन से नितिन जैन,गुरु सेवक परिवार से नगर अध्यक्ष आशीष जैन, अश्वनी जैन, अनुज जैन, पुनीत जैन, सिद्धांत जैन, अखिलेश जैन, अशोक जैन, अश्वनी जैन, मुकेश जैन, अशोक जैन, स्वदेश जैन, अमित जैन सिद्धार्थ फर्नीचर, वरूण जैन सर्राफ, मुकेश जैन, हर्षित जैन, सीमित जैन आदि सेकड़ो लोग मौजूद रहे।

प्रांतीय अधिवेशन, प्रांतीय दायित्व बोध एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

भारत विकास परिषद् हस्तिनापुर प्रान्त ने किया प्रांतीय अधिवेशन प्रांतीय दायित्व बोध एवं सम्मान समारोह का आयोजन

मुजफ्फरनगर। भारत विकास परिषद हस्तिनापुर प्रांत के द्वारा मंगलवार को लिंक रोड स्थित बैंक्वेट हाल में प्रांतीय अधिवेशन प्रांतीय दायित्व बोध एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ।प्रांतीय महासचिव सरल माधव के द्वारा पूरे वर्ष हुए श्रेष्ठ सेवा और संस्कार के कार्यों की रुप रेखा को प्रस्तुत हुए करते हुए हस्तिनापुर प्रांत द्वारा प्रांत की समस्त शाखाओं को उनके द्वारा किए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।प्रांत द्वारा विभिन्न प्रकल्पों किए गए कार्यों के लिए प्रकल्प प्रभारियों को भी सम्मानित किया गया।दायित्वबोध समारोह में राष्ट्र द्वारा नामित क्षेत्रीय महासचिव राजीव गोयल के द्वारा सत्र 2025–26 के लिए हस्तिनापुर प्रांत की नई कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई गई।जिसमें सरल माधव प्रांतीय अध्यक्ष,अरुण खंडेलवाल प्रांतीय महासचिव,सीए अतुल अग्रवाल प्रांतीय वित्त सचिव, सोनिया कश्यप प्रांतीय संयोजिका महिला सहभागिता के साथ–साथ प्रांतिय उपाध्यक्ष, प्रांतीय चेयरमैन,प्रांतीय संयोजक व ज़िला कार्यकारणी को शपथ दिलाई गई। हस्तिनापुर प्रांत की जिला इकाई मुजफ्फरनगर के आतिथ्य में आयोजित इस सफल और शानदार आयोजन के लिए जिला समन्वयक प्रवीण गुप्ता,जिला सह समन्वयक विशाल शर्मा,जिला संयोजिका महिला सहभागिता मानसी वर्मा,जिला मीडिया प्रभारी

अकुल अग्रवाल को प्रांतीय कार्यकारिणी की तरफ से दिल की गहराइयों से बधाई एवं साधुवाद किया गया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष सरल माधव ने अपने संबोधन में आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह प्रांत और सदस्यों के हित में सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय गतिविधि सह संयोजक सेवा अनुराग दुबलिश,क्षेत्रीय महासचिव राजीव गोयल ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह संस्था समाज में विभिन्न व्यवसायों व कार्यों में लगे श्रेष्ठतम् लोगों का एक राष्ट्रीय स्तरीय समाजसेवी एवं सांस्कृतिक संगठन है।इस संस्था की स्थापना का उद्देश्य भारतीय समाज का सर्वांगीण विकास करना है।परिषद् स्वास्थ्य,समृद्ध व संस्कारित भारत के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित हैं और अपने मूल मंत्रों सम्पर्क, सहयोग,सेवा, संस्कार व समर्पण का पालन करते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।कार्यक्रम में क्षेत्रीय सचिव प्रमोद गर्ग, डा०आलोक भटनागर,डा० लता शर्मा, विनीत संगल,निवर्तमान अध्यक्ष शशिकांत मित्तल,नीता दुबलिश,अंशु गोयल,मीनू अग्रवाल, सुभाष चन्द्र गुप्ता,लक्ष्मीकांत मित्तल,संदीप जैन,परम कीर्ति शरण,एस एन बंसल,डा० प्रवेश,शिशुकांत गर्ग,अनिल गोपाल गर्ग,मनोज सेठी,सुबोध गर्ग,संजीव गुप्ता,सुगंधा जैन,नवीन सिंघल,डा० नितिन जैन,कमल कुमार गोयल,समेत बड़ी संख्या में शामली, सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुढाना से आए सभी दायित्वधारीगण व अतिथिगण की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

जिलाधिकारी ने कृषक द्वारा प्राकृतिक खेती एंव वर्मी कम्पोस्ट के साथ ही गौ–पालन का कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

जिलाधिकारी ने कृषक का उत्साह वर्धन करते हुए सुझाव दिया कि वह अधिक से अधिक कृषकों को प्राकृतिक खेती करने हेतु जागरूक करें

मुजफ्फरनगर। जनपद के विकासखण्ड खतौली के ग्राम–रतनपुरी निवासी कृषक श्री रमेश तंवर पुत्र श्री देवदत्त तंवर को जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

श्री रमेश तंवर द्वारा विगत 15 वर्षों से 08 एकड क्षेत्र पर प्राकृतिक खेती एंव वर्मी कम्पोस्ट के साथ–साथ गौ–पालन का कार्य किया जा रहा है।

श्री रमेश तंवर द्वारा प्रतिवर्ष 90 कु० गेहूँ (सोना–मोती), 20 कु० पूसा बासमती 1 एंव फलों की बागवानी (आडू, अमरूद, आम, चीकू, सेब, ड्रैगन फूट), का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे इनको लगभग 08 लाख रूपये का प्रतिवर्ष

लाभ प्राप्त होता है। श्री रमेश तंवर द्वारा गाय की साहिवाल, राठी एंव हरियाणा नस्ल की देसी गायों द्वारा दुग्ध उत्पादन भी किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा श्री रमेश तंवर का उत्साह वर्धन करते हुए सुझाव दिया कि वह अधिक से अधिक कृषकों को प्राकृतिक खेती करने हेतु जागरूक करें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री गजेंद्र कुमार एवं उप निदेशक कृषि श्री संतोष कुमार मैजूद रहे।

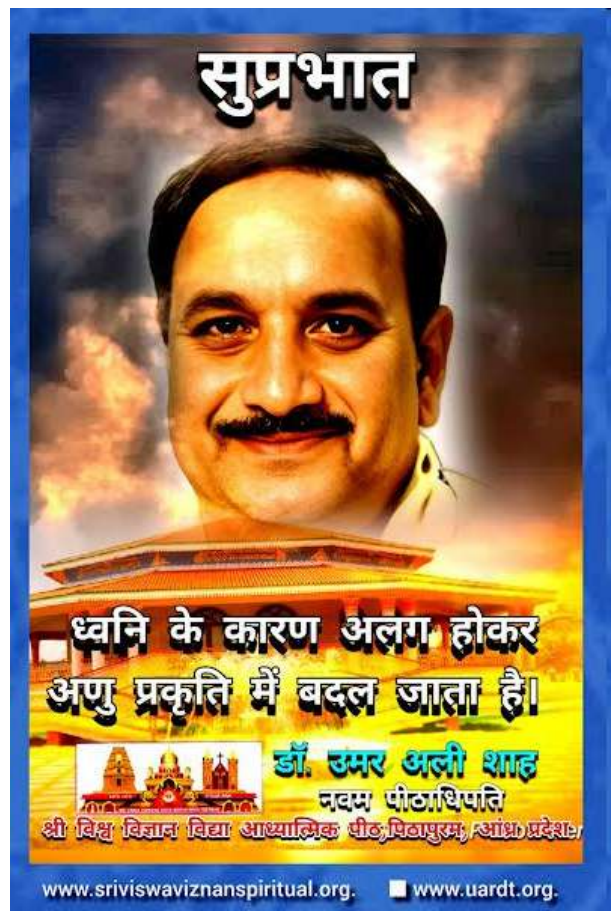

जंगल उपवन हो गए

(कुण्डलिया)

गर्मी की है दुपहरी,पथिक ढूँढता छाँव।
परेशान होते रहे,मिला न उनको ठाँव।
मिला न उनको ठाँव,नदारद उपवन सारे।
इमली महुआ आम,स्वर्ग को सभी पधारे।
सुन लो कहें प्रदीप, न पहनो अब बेशर्मी।
पौध लगाओ आज, नदारद होगी गर्मी।।

जंगल उपवन हो गए, उपवन खेत–समान।
खेतों में मकान खड़े, त्याग हरा परिधान।
त्याग हरा परिधान,शहर वह नव्य बसाते।
पोखर को कर खत्म, स्वीमिंग पूल बनाते।
सुन लो कहें प्रदीप, देख मानव बेशर्मी।
प्रकृति हुई जब क्रुद्ध, आग बरसाती गर्मी।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हमको दो आजादी

(कविता)

हम लेकर रहेंगे आजादी
हम लड़कर लेंगे आजादी।
क्या कहते हो मेरे भाई
यहां सबको मिली आजादी।
सबको जीने की दो आजादी
तुमको मिल जायेगी आजादी।
हमारी बहू बेटियों की
सुरक्षा की दो आजादी।
धर्म परिवर्तन नहीं करायें
सबको जीने की दो आजादी।
जहां अल्पसंख्यक हैं हिन्दू
पलायन न करें दो आजादी।
जबरदस्ती जमीन न हड़पे
सबको जीने की दो आजादी।
बिन लड़े बिन कुछ कहे
मिल जायेगी तुमको आजादी।
क्या कहते हो मेरे भाई
यहां सबको मिली आजादी।

कवि केशव सक्सेना
ओमगायत्रीनगर, प्रयागराज

विश्वनाथ के भीमाजुली में प्राकृतिक पद्धति से कृषि उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बिश्वनाथ असम। नाबार्ड के सहयोग से बिश्वनाथ के भीमाजुली में आज से प्राकृतिक कृषि उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में प्राकृतिक रूप से कृषि उत्पादन कैसे करें इसका प्रशिक्षण दिया जाता है। धान की खेती के अलावा आवश्यक सब्जियों जैसे नारियल, सेब, तरबूज आदि का प्राकृतिक रूप से उत्पादन कैसे किया जाए, इसका भी प्रशिक्षण दिया जाता है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सुमन चेटार्जी ने कहा, प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को रसायनों के बिना प्राकृतिक रूप से खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है और नाबार्ड आदर्श किसान और आदर्श खेत बनाने के लिए ऐसी पहल कर रहा है। प्रशिक्षण शिविर में गोहपुर कोइलाजुली सहित विश्वनाथ के विभिन्न हिस्सों से लगभग 300 किसानों ने भाग लिया।

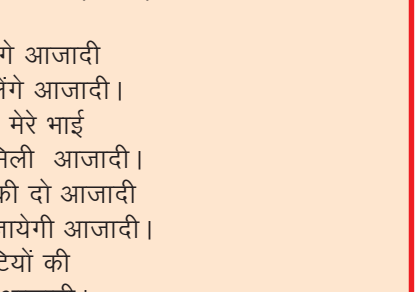

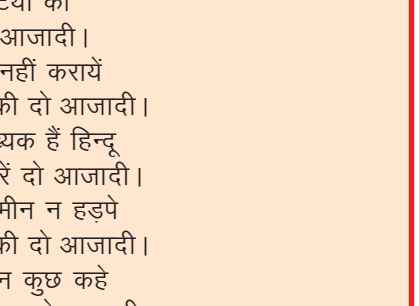

प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक के रूप में सुदूर मध्य प्रदेश के पद्मश्री डॉ. शुभाकर पालके उपस्थिति थे। ।कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वनाथ जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नांटे ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बिश्वनाथ जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नांटे , नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक सुमन चेटार्जी, बिश्वनाथ कृषि महाविद्यालय के एसोसिएट डीन रणेंद्र नाथ बर्मन, बिश्वनाथ जिला कृषि अधिकारी बानेश्वर बे, कैडेट सचिव मनोरंजन हजारिका आदि के साथ प्रायः पांच सौ पुरुष – महिला उपस्थित थे।

सम्पादकीय.....

अनुचित और अमर्यादित

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा करके दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फ फटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है। निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,यह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, ऐसे अप्रिय विवादों से जनता में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव का नकारात्मक संदेश जाता है। जिससे अनावश्यक संवैधानिक संकट की स्थिति भी बन सकती है। जनता में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों को लेकर अविश्वास का भाव पैदा नहीं होना देना चाहिए। दरअसल, ऐसे अनावश्यक विवादों से किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। बल्कि तल्ख बयानबाजी से बेकार की बहस बढ़ने की आशंका ही बलवती होती है। खासकर संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को तो ऐसी बयानबाजी से परहेज करना ही चाहिए। दरअसल, संविधान ने न्यायपालिका को कुछ ऐसे अधिकार दिए हैं कि जब पूर्ण न्याय के लिये कोई अन्य रास्ता नहीं बचता, तब वह विशिष्ट अनुच्छेदों से मिली शक्तियों का प्रयोग कर सकती है। दूसरे शब्दों में इसे उम्मीद के एक दरवाजे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

राहुल ने खोली चुनाव आयोग की पोल

डॉ. दीपक पाचपोर

देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर–बाहर अभियान छेड़े हुए हैं ही, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश दौरों पर जाते हैं, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की जान सांसत में होती है। राहुल गांधी इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं ही, उन्हें एक बड़े नेता के तौर पर भी देखा जाता है। देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर–बाहर अभियान छेड़े हुए हैं ही, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। राहुल अभी अमेरिका प्रवास पर हैं। वहां उन्होंने अपनी पहली सभा में भारत के केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की कार्यपद्धति की जमकर आलोचना की। किस तरह से पूरी निर्वाचन पद्धति सत्तारुढ़ भाजपा के पक्ष में काम करती है, उन्होंने इसका लेखा–जोखा सामने रखा है। अमेरिका के बोस्टन शहर पहुंचे राहुल ने व्यवसायियों और वहां रहने वाले भारतीयों से बातचीत में भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और निर्वाचन प्रणाली में व्यापक गड़बड़ियां हैं। राहुल गांधी ने कहा– मैंने यह कई बार बताया है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रदेश के वयस्क नागरिकों की संख्या से कहीं अधिक लोगों ने वोटिंग की। चुनाव आयोग द्वारा शाम 5.30 बजे तक मतदान के आंकड़े जारी किये गये थे। बाद में जो अंतिम आंकड़े प्रदान किये गये उसके अनुसार शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 65 लाख लोगों ने मतदान किया। ऐसा होना संभव ही नहीं है क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। इस हिसाब से तो सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगनी चाहिये थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब कांग्रेस व विपक्ष ने आयोग से वीडियो सबूत मांगे तो उसे न केवल मना कर दिया गया बल्कि आयोग ने कानून ही बदल दिया ताकि विपक्षी दल वीडियोग्राफी के लिए न कह सकें। गौरतलब है कि राहुल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे वक्त में चुनावी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है जब कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके खासमखास दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने साफ किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। बैलेट पेपर की हिमायत करते हुए मस्क ने तो यहां तक कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। यानी वे उस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं जो भारत के कई विपक्षी दल 2022 से लगा रहे हैं। आरोप हैं कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीनों में बड़े पैमाने पर धांधली कर भाजपा ने दो–चार नहीं वरन लगभग 80 सीटें जीती हैं। इतना ही नहीं, कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी एक खास पैटर्न के द्वारा हारती हुई भाजपा ने चंद घंटों में इतनी सीटें जीत लीं कि वह सरकार बनाने में कामयाब हो गयी। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के उदाहरण इस सिलसिले में दिये जाते हैं। वैसे तो भारत में जिस तरह से शासकीय मशीनरी के जरिये लोकतंत्र को अपहृत किया गया है और मोदी सरकार निरंकुश तरीके से काम कर रही है, वह दुनिया अब जान चुकी है, राहुल द्वारा जो बातें भारतीय समुदायों के समक्ष कही जा रही हैं, वह दूर तलक जायेगी क्योंकि वहां का मीडिया एक तरह से वैश्विक कहा जाता है जो निश्चित ही भारतीय मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक जनतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष है। भारत का मीडिया विपक्ष की बातों को जहां स्थान नहीं देता वहीं अमेरिकी या लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व किसी भी देश का मीडिया सरकार की बजाय प्रतिपक्ष को तरजीह देता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की बातें एक बार फिर से विश्वपटल पर प्रमुखता से लोगों के सामने आयेगी। अनुमानों के मुताबिक भाजपा ने राहुल के इस बयान को संवैधानिक संस्थाओं का अपमान बताया तथा राहुल पर देश को बदनाम करने की सुपारी लेने का आरोप लगा दिया है। पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि, राहुल गांधी विदेश जाकर संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। यही उनकी पहचान बन गई है। यह दिखाता है कि कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते हुए भारत के विरोध पर उतर गये हैं– वह भी विदेशी धरती पर।श पूनावाला के अनुसार पूरी दुनिया भारत के चुनाव आयोग और निर्वाचन प्रणाली की प्रशंसा कर रही है पर भारत के खिलाफ और देश की बदनामी की सुपारी लेने का काम राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम कर रहा है। इसी तरह संबित पात्रा ने राहुल गांधी के बयान पर नेशनल हेराल्ड मामले में चल रही ईडी की जांच का जिक्र करते हुए कहा कि वे अब जेल जा सकते हैं। वहीं देवेन्द्र फड़नवीस ने राहुल गांधी के चरित्र पर ही सवाल उठाए और उन्हें नसीहत दी कि चुनाव नतीजों पर सवाल उठाने की जगह वे जनता का दिल जीतने के बारे में सोचें। भाजपा की ये सारी प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर जो सवाल उठा रहे हैं, उनसे सबसे ज्यादा तकलीफ भाजपा को हो रही है। याद हो कि उनके पिछले विदेशी दौरों में दिये उनके व्याख्यानों को लेकर उन्हें भाजपा समर्थकों ने देशद्रोही तक कहा था। बहरहाल, राहुल की अमेरिका यात्रा में आगे क्या होता है, ये देखना होगा। उनका एक व्याख्यान ब्राउन विश्वविद्यालय में होगा, साथ ही वे भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे, जिसमें भाजपा अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं।

अब सुप्रीम कोर्ट को धौंस!

राजेंद्र शर्मा

फासीवादियों की एक जाने–मानी रणनीति है। जो खुद करना चाहते हो, करने जा रहे हो, विरोधी पर वही करने का आरोप लगा दो। भाजपा के बदजुबान पर मोदी जी निजाम के मुंहलगे सांसद, निशिकांत दुबे सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, संजीव खन्ना पर श्श्देश में हो रहे सभी गृह युद्घोंश्श की जिम्मेदारी डालने के जरिए, ठीक यही दांव आजमा रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि दुबे का उक्त बयान, वक्फ कानून की वैधता के लिए चुनौतियों की सुनवाई के क्रम में संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यीय खंडपीठ द्वारा अपनाए गए आरंभिक रुख के संदर्भ में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में क्या कहा है और क्या किया है, इसकी चर्चा हम जरा आगे चलकर करेंगे। यहां सिर्फ इतना कि अगर भाजपा के अघोषित प्रवक्ता के रूप में दुबे को, इस संदर्भ में गृहयुद्घों की याद आ गयी है, तो यह संयोग ही नहीं है। इसमें वक्फ कानून को लाने के पीछे संघ–भाजपा निजाम के असली मकसद का इशारा है। और यह मकसद है, मुसलमानों की स्थिति को और कमजोर करना, उन्हें और दबाना, जिसके संबंध में वे भी बखूबी जानते हैं कि यह देश को गृहयुद्घ की ओर धकेलना है। लेकिन, किसी कमजोर, अल्पसंक्चयक को दबाने वाला गृहयुद्घ ही उनका वाक्य है न कि गृहयुद्घ से बचाव। याद रहे कि दुबे ने एकवचन में गृहयुद्घ की नहीं, बहुवचन में श्श्गृहयुद्घोंश्श की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है। उस निर्णय से जुड़ा गृहयुद्घ का इशारा, आम तौर पर राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ और खासतौर पर दक्षिण भारतीय राज्यों की भाषायी–सांस्कृतिक–सामाजिक स्वायत्तता के खिलाफ, संघ–भाजपा की एकात्मकतावादी मुहिम में निहित गृहयुद्घ की संभावनाओं की ओर है। इस प्रसंग में इसकी याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि तमिलनाडु की हिंदी थोपे जाने की चिंताओं का आधे–अधूरे तरीके से सरकार की ओर से खंडन किए जाने के बीच ही, महाराष्ट्र की भाजपा–नीत गठजोड़ सरकार ने तमिलनाडु की आशंकाओं को ही सच साबित करते हुए, इसका ऐलान कर दिया कि राष्टड्डीय शिक्षा नीति–2020 के तहत, त्रिभाषा फार्मूले की तीसरी भाषा के रूप में महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य की जा रही है। हैरानी की बात नहीं है कि इस निर्णय का व्यापक रूप से विरोध भी हो रहा है। बहरहाल, इसके सामानांतर मुंबई के कुछ हिस्सों से एक बार फिर गुजरातियों और मराठियों के बीच तनाव बढ़ने की खबरें आने लगी हैं। यह भी याद रहे कि तमिलनाडु बनाम राज्यपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हमले की शुरूआत, निशिकांत दुबे से दो–तीन दिन पहले,भारत के उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कर चुके थे। धनखड़ जो सर्वोच्च न्यायालय के तथाकथित अतिक्रमणों से संसद की और वास्तव में कार्यपालिका की हिफाजत करने के नाम पर पहले भी कई बार तलवार भांज चुके हैं, इस बार सर्वोच्च न्यायालय से इस बात से खफा थे कि उसने राज्यपालों द्वारा और यहां तक कि राष्ट्रपति द्वारा भी, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित किए गए विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी का निर्णय करने के लिए, तीन महीने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। उनके अनुसार यह राष्ट्रपति की और उसकी नियुक्तियों के रूप में राज्यपालों की भी सर्वोच्चता का अतिक्रमण है! अदालत राष्ट्रपति को कुछ भी निर्देश कैसे दे सकती है, भले ही यह इसी का निर्देश क्यों न हो कि राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे ही नहीं रहें, तीन महीने के अंदर उन पर अपना कोई न कोई फैसला दे दें! सर्वोच्च न्यायालय को पूर्ण न्याय करने में समर्थ बनाने वाली संविधान की धारा–142 को तो उपराष्ट्रपति धनखड़ ने श्श्जनतांत्रिक ताकतों के खिलाफ नाभिकीय मिसाइल, जो न्यायपालिका को 24 घंटा 7 दिन उपलद्ब्रध हैश्श ही करार दे दिया। यह इसके बावजूद था कि बाबरी मस्जिद बनाम रामजन्म भूमि विवाद में, मंदिर के पक्ष में अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित रूप से श्श्पूर्ण न्यायश्श करने के लिए ठीक इसी धारा का सहारा लिया था। फिर भी यह अकारण ही नहीं है कि धनखड़ से भिन्न, निशिकांत दुबे तथा दिनेश शर्मा जैसे भाजपायी सांसदों ने, आम तौर पर सर्वोच्च न्यायालय पर और खासतौर पर मुख्य न्यायाधीश पर निशाना साधते हुए, वक्फ बोर्ड के मुद्दे को ही सबसे आगे रखा है। इसका सीधा संबंध, वक्फ कानून में संशोधनों के हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक मंतव्यों से है। बेशक, संघ–भाजपा की ओर से इसका काफी स्वांग भी किया जाता रहा है और जाहिर है कि इसमें संसद में बहस के दौरान तथा उसके बाद के भी उनके जुबानी दावे भी शामिल हैं, कि ये संशोधन वास्तव में मुसलमानों को लाभ पहुंचाने की चिंता से किए जा रहे हैं। कि इन संशोधनों से विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं व पसमांदा मुसलमानों को और मुसलमानों के बोहरा आदि कमजोर पंथों को फायदा मिलने वाला है। कि इसका हिंदुओं के तुष्टिकरण से कोई संबंध नहीं है, आदि। इसके बावजूद, इस पूरे प्रोजेक्ट के पीछे की असली नीयत तब खुलकर सामने आ गयी जब रातों–रात संघ–भाजपा के युवा संगठनों ने विभिन्न राज्यों को ऐसे पोस्टरों से पाट दिया, जो वक्फ संशोधन विधेयकों का विरोध करने वाली राजनीतिक पार्टियों को, हिंदू–विरोधी घोषित करते थे। यह इसका खुला ऐलान था कि यह कानून, सबसे बढ़कर हिंदू सांप्रदायिकता के आग्रहों से ही संचालित है। एक प्रकार से देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट ने इस वक्फ अधिनियम के खिलाफ चुनौतियों की सुनवाई पर अपनी शुरूआती प्रतिक्रिया में बिना कहे इस सच्चाई को स्वीकार भी किया है। इसीलिए, सर्वोच्च न्यायालय ने इस अधिनियम के कम से कम तीन पहलुओं पर फौरी तौर पर रोक लगाने की जो मंशा जतायी थी, उसके बाद मोदी सरकार ने अपनी ओर से ही संबंधित पहलुओं का परिचालन अगले अदालती आदेश तक रोके रखने का आश्वासन दे दिया। अदालत ने इस आश्वासन को आधिकारिक रूप से दर्ज कर लिया और इस तरह वक्फ अधिनियम के अमल को ही अदालत द्वारा रोके जाने की शर्मिंदगी से तो सरकार बच गयी, लेकिन इन कदमों को अपनी ओर से ही रोके रखने का वादा करने के बाद ही। इस तरह जिन दो सबसे समस्यापूर्ण पहलुओं का अमल रोक दिया गया, उनमें एक तो वक्फ बोर्ड तथा वक्फ काउंसिल का राज्यों के स्तर तक पुनर्गठन ही है। इस सिलसिले में विवाद तथा अदालती चुनौती के केंद्र में अधिनियम का यह प्रावधान है कि अब तक के कायदे के विपरीत, उक्त निकायों में गैर–मुसलमानों को भी रखा जा सकता है। शिकायत यह है कि नये प्रावधानों के तहत बोर्ड और काउंसिल में गैर–मुस्लिमों का बहुमत तक हो सकता है। इस संदर्भ में इस कानून का विरोध करने वालों का तर्क यह है कि यह तो अपनी धार्मिक संस्थाओं का स्वतरू रूप से संचालन करने की, देश के संविधान में सभी समुदायों को दी गयी स्वतंत्रता का ही उल्लंघन है। इसके अलावा इस प्रबल तर्क का भी सरकार के पास कोई जवाब नहीं था कि क्या वह अन्य धर्मों पर व संप्रदायों की संस्थाओं में भी इसी प्रकार, अन्य धर्मावलंबियों को जगह देने जा रही है? फिलहाल स्थगित कर दिया गया दूसरा ऐसा ही समस्यापूर्ण पहलू वक्फ बाई यूज यानी वक्फ के रूप में उपयोग होते आने से किसी संपत्ति की वक्फ के रूप में मान्यता का है। नया कानून वक्फ बाई यूज को अमान्य करता है और इस प्रकार सैकड़ों साल पुरानी अनेक मस्जिदों, कब्रिस्तानों, खानकाहों आदि पर संपत्ति विवादों का रास्ता खोलता है।

सर्वोच्च न्यायालय का वक्फ कानून पर सबको खुश करने वाला अंतरिम आदेश

के रवींद्रन

विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश ने विरोधी खेमों के बीच एक असामान्य संतुलन पैदा कर दिया है, जो निर्णायक हस्तक्षेप के बजाय एक सुनियोजित संतुलनकारी कार्य का संकेत देता है। हालांकि यह आदेश संशोधनों के कार्यान्वयन पर पूर्ण रोक का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, लेकिन यह न्यायिक संयम की एक परत पेश करता है जो आश्वस्त और अस्थिर दोनों है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस पक्ष में है। यह कानूनी युद्ध के मैदान को खुला छोड़ देता है, लेकिन संकेत– हालांकि कमजोर– सरकार की स्थिति के अंतिम समेकन की ओर इशारा करते हैं।सरकार को यथास्थिति बनाये रखते हुए अधिक मजबूत तर्क प्रस्तुत करने का समय देकर, न्यायालय ने अधिक गहन जांच के लिए मंच तैयार किया है जो अंततरू विचाराधीन संशोधनों को वैध बना सकता है। सरकार के दृष्टिकोण से, यह अंतरिम व्यवस्था न केवल स्वीकार्य है– परन्तु उसके लिए लाभप्रद भी है। यह मौजूदा कानूनी ढांचे में ठोस खामियों को प्रदर्शित करके बहस को सैद्धांतिक से अनुभवजन्य में बदलने की अनुमति देता है। पूरे गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित किये जाने की रिपोर्ट, अक्सर निवासियों की जानकारी या सहमति के बिना, निराशा की एक लहर पैदा करती है जिसे सरकार न्यायालय के समक्ष बढ़ाना चाहती है। इस मुद्दे को सामूहिक वंचितता और प्रणालीगत अस्पष्टता के रूप में प्रस्तुत करके, सरकार न केवल प्रशासनिक आवश्यकता, बल्कि सामाजिक न्याय की कहानी गढ़ रही है। फिर महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कहानी एक ऐसी अदालत के साथ प्रतिध्वनित होने की संभावना है जिसने पिछले फैसलों में कानून की सिद्धांतवादी व्याख्याओं पर संतुलन और व्यावहारिकता की ओर झुकाव दिखाया है। समान रूप से महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि न्यायालय ने संशोधित कानून के संचालन पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन मुकदमे के लंबित रहने के दौरान यथास्थिति में इस तरह से बदलाव न करने की चेतावनी दी, जिससे किसी भी पक्ष के अधिकारों को नुकसान पहुंचे। यह दोहरा उद्देश्य पूरा करता है। ये कानूनी चुनौती को निरर्थक बना सकते हैं। लेकिन सरकार के लिए, यह अभी भी अपना मामला बनाने, डेटा एकत्र करने और पिछली व्यवस्था के तहत लंबे समय से चले आ रहे अन्याय के लिए आवश्यक सुधार के रूप में संशोधन को तैयार करने का रास्ता खुला छोड़ता है। न्यायालय के निर्देश के शब्द ही कठोर अंतरिम कदम उठाने की अनिच्छा को दर्शाते हैं, जो अंतिम फैसले के समय उसके हाथ बांध सकते हैं। इस स्थिति से जो उभरता है, वह एक तरह की न्यायिक हेजिंग है– चुनौती देने वालों को उम्मीद देने के लिए पर्याप्त अस्पष्टता, लेकिन सरकार के लिए पैंतरेबाजी करने के लिए पर्याप्त जगह। चुनौती देने वालों को निश्चित रूप से न्यायालय द्वारा की गयी कुछ टिप्पणियों से सांत्वना मिली है, जो संशोधनों से प्रतिकूल रूप से प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए कुछ हद तक सहानुभूति का संकेत देती हैं। लेकिन यह सांत्वना अंततरू वास्तविक से ज्यादा बयानबाजी साबित हो सकती है। न्यायालय का इतिहास बताता है कि जब तक विचाराधीन कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक या घोर अन्यायपूर्ण न हो, तब तक यह विधायी और कार्यकारी शाखाओं के अधीन रहता है, खासकर जब व्यापक शासन संबंधी मुद्दे शामिल हों।क्रिश्चियन एलायंस और एसोसिएशन ऑफ सोशल एक्शन जैसे नये हस्तक्षेपकर्ताओं के साथ सरकार का रणनीतिक गठबंधन इसके हाथ को और मजबूत करता है। इन समूहों का तर्क है कि पिछले कानून को धार्मिक या संस्थागत दावों के तहत व्यक्तियों– अक्सर अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से– को उनके वैध संपत्ति अधिकारों से वंचित करने के लिए हथियार बनाया गया था। ऐसी आवाजों को एकजुट करके, सरकार कानून को बहुसंख्यकवादी थोपे जाने के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्मनिरपेक्ष, समावेशी सुधार के रूप में फिर से परिभाषित कर रही है। यह पुनर्स्थापन महत्वपूर्ण है। यह मुद्दे को एक संकीर्ण प्रशासनिक बदलाव से संपत्ति के अधिकारों को बहाल करने और ऐतिहासिक असंतुलन को ठीक करने के लिए एक नैतिक धर्मयुद्ध में बदल देता है। न्यायपालिका, जब इस तरह के नैतिक ढांचे का सामना करती है– खासकर अगर वास्तविक जीवन की गवाही और आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है–अक्सर विधायी इरादे को बनाये रखने की ओर झुक जाती है जब तक कि एक मजबूत संवैधानिक उल्लंघन साबित न हो जाये। नये कानून के तहत प्रक्रियात्मक चिंताएं या कथित अतिक्रमण के उदाहरण भी इसे अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं जब तक कि मनमानी या लक्षित भेदभाव का एक स्पष्ट पैटर्न नहीं दिखाया जा सकता है। अब तक, चुनौती देने वालों ने वास्तविक नुकसान के प्रलेखित मामलों के बजाय संभावित दुरुपयोग के जोखिम पर अधिक ध्यान दिया है। इसके विपरीत, सरकार मौजूदा प्रणाली की विफलताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो पहले से ही मूर्त और प्रदर्शन योग्य हैं। साक्ष्य की गुणवत्ता और प्रकृति में यह विषमता अंतिम निर्णय में भारी पड़ सकती है। इसके अलावा, अदालत की अंतरिम टिप्पणियों की भाषा संभावित जटिलताओं के बारे में गहरी जागरूकता का सुझाव देती है जो विधायी प्रक्रिया में समय से पहले हस्तक्षेप करने से उत्पन्न हो सकती हैं। इस बात पर जोर देकर कि मामले के लंबित रहने के दौरान कोई नयी जटिलताएं पेश नहीं की जानी चाहिए, अदालत समय खरीदती हुई प्रतीत होती है – न कि समय पर निर्णय लेने के लिए कानून के बारे में बात करना और बिना व्यवधान पैदा किए निष्पक्ष सुनवाई करना। यह सतर्क दृष्टिकोण, तटस्थ प्रतीत होते हुए भी, अक्सर यथास्थिति या इस मामले में, नये पेश किये गये परिवर्तनों के पक्ष में काम करता है। एक बार जब कोई कानून व्यवस्था में स्थापित हो जाता है – यहां तक कि एक अंतिम क्षमता में भी– तो इसे उलटना संस्थागत रूप से अधिक कठिन हो जाता है जब तक कि ऐसा करने के लिए कोई भारी कारण न हो। इसके अतिरिक्त, संशोधनों का समर्थन करने वाली आवाजों की बढ़ती संख्या से न्यायालय के प्रभावित होने की संभावना है, विशेष रूप से हाशिए के समुदायों और सामाजिक वकालत समूहों से। ये हितधारक अपने साथ एक हद तक नैतिक और सामाजिक–राजनीतिक वैधता लाते हैं जिसे नजरंदाज करना मुश्किल है। कानूनों के पिछले शासन के तहत बहिष्कार और बेदखली के उनके आख्यान एक भावनात्मक और मानवीय आयाम पेश करते हैं जो अन्यथा एक अमूर्त कानूनी प्रतियोगिता हो सकती है। यदि चुनौती देने वाले तुलनात्मक रूप से सम्मोहक प्रति–कथा प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं – जो कानूनी तकनीकों से परे हो और न्याय को एक आंतरिक तरीके से संबोधित करे–तो पेंडुलम सरकार के पक्ष में झूलता रहेगा।

कमल हासन ने इस एक्ट्रेस के साथ किया अश्लील मजाक, भड़के यूजर्स ने लगा दी क्लास

कमल हासन और तृषा कृष्णन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ के प्रमोशन में बीजी हैं। मणिरत्नम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कमल हासन, तृषा कृष्णन, सिलंबरासन टीआर और सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की प्रमोशन के दौरान कमल हासन का एक मजाक अब विवाद का कारण बन गया है, और इसको लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही है। ठग लाइफ के प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक रिपोर्टर ने तृषा से उनकी पसंदीदा डिश के बारे में पूछा। इस पर तृषा ने जवाब दिया, मुझे सब कुछ खाना पसंद है, लेकिन मुझे उबला हुआ केला बहुत अच्छा लगता है। इसे क्या कहते हैं? वह दक्षिण भारत की मशहूर डिश 'पजम पोरी' का जिक्र कर रही थीं। इस पर कमल हासन ने तृषा को डिश का नाम याद दिलाया, लेकिन उनके द्वारा कही गई बात में कुछ डबल मीनिंग शामिल था। कमल हासन के इस मजाक को लेकर सोशल मीडिया पर दो तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोग अभिनेता की आलोचना कर रहे हैं, जबकि कुछ उनका बचाव कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर टिप्पणी की, 'bm bm bm। वहीं एक और यूजर ने कमल हासन को टॉक्सिक कह दिया। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अगर यह बात किसी और अभिनेता ने कही होती, तो ? वहीं दूसरी ओर, कमल हासन के कुछ फैंस का कहना है कि उन्होंने यह बात मजाक में कही थी, और इसमें कोई बुरी बात नहीं थी। ठग लाइफ की बात करें तो यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म है, और इसमें कमल हासन के अलावा तृषा कृष्णन, जोजू जॉर्ज, नासर, अभिरामी, सान्या मल्होत्रा, पंकज त्रिपाठी, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, रोहित सराफ और वैयापुरी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म में कमल हासन और मणिरत्नम के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं, इससे पहले 1987 में दोनों ने नायकन फिल्म में साथ काम किया था। यह फिल्म काफी चर्चित हो रही है, और दर्शकों को इसके रिलीज होने का इंतजार है।

> ठग लाइफ के प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक रिपोर्टर ने तृषा से उनकी पसंदीदा डिश के बारे में पूछा। इस पर तृषा ने जवाब दिया, मुझे सब कुछ खाना पसंद है, लेकिन मुझे उबला हुआ केला बहुत अच्छा लगता है। इसे क्या कहते हैं? वह दक्षिण भारत की मशहूर डिश 'पजम पोरी' का जिक्र कर रही थीं। इस पर कमल हासन ने तृषा को डिश का नाम याद दिलाया, लेकिन उनके द्वारा कही गई बात में कुछ डबल मीनिंग शामिल था।

कृष्णा अभिषेक का चार्ली चौप्लिन लुक हुआ वायरल, बच्चों के साथ ली तस्वीरों को देख आपको भी आ जाएगी हंसी

6 अप्रैल को चार्ली चौप्लिन की बर्थ एनिवर्सरी थी, जिसे हाल ही में सेलिब्रेट किया गया। इस मौके पर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने चार्ली चौप्लिन को श्रद्धांजलि देने का एक अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह चार्ली चौप्लिन के लुक में नजर आ रहे हैं। कृष्णा का ये लुक इतना बेहतरीन था कि पहली बार में उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो गया था।इन तस्वीरों में कृष्णा अभिषेक अकेले नहीं बल्कि अपने दोनों बच्चों के साथ नजर आए। पहली नजर में यह तस्वीरें रियल चार्ली चौप्लिन की लग सकती थीं, लेकिन कैप्शन को देखकर आपको सारी कहानी समझ आ जाएगी। कृष्णा ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, कुछ सप्ताह पहले चार्ली चौप्लिन की फिल्म देख रहा था और तभी मेरे मन में यह आइडिया आया। मेरे बच्चे अब 8 साल के होने वाले हैं, इसलिए यह शूटिंग का समय एकदम सही था। मैं हमेशा हमारे लिए कुछ खास यादें बनाना चाहता था और अब मैंने वह कैप्चर कर लिया है जो मैं चाहता था। मुझे उम्मीद है कि आपको यह सरप्राइज पसंद आएगा। कृष्णा अभिषेक के इस फोटोशूट को देखकर फैंस हैरान रह गए। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने तस्वीरें देखकर लिखा, सो क्यूट। इसके अलावा, कई फैन्स ने भी इन तस्वीरों की जमकर तारीफ की है। सबसे ज्यादा चर्चा कृष्णा की आखिरी तस्वीर की हुई, जिसे लोग बेहद मजेदार मान रहे थे। कई लोगों ने यह भी कहा कि कृष्णा रियल चार्ली चौप्लिन की तरह दिखते हैं। कुछ फैंस ने इन तस्वीरों को ब्रिलियंट भी कहा। इस फोटोशूट ने ना केवल कृष्णा के फैंस को खुश किया बल्कि चार्ली चौप्लिन के प्रति उनकी श्रद्धांजलि भी दिल को छूने वाली थी।

ब्राह्मण समाज पर की टिप्पणी को लेकर नरम पड़े अनुराग कश्यप के तेवर, मानी गलती, कहा- मैं मर्यादा भूल गया, माफी मांगता हूं

ब्राह्मण समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप लगातार मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें यूजर्स की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और कई समाजिक संगठनों, हस्तियों ने भी उनके खिलाफ नाराजगी जाहिर की। चौतरफा आलोचना झेल रहे अनुराग के अब तेवर फीके पड़ गए हैं और उन्होंने अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ली है। अनुराग कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और बहुत कॉन्ट्रीब्यूट करते हैं। आज वो सब मुझसे आहत हैं। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, मेरे उस गुस्से में मेरे बोलने के तरीके से आहत हैं। मैंने खुद ही ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। आगे अनुराग ने लिखा, मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं। इस समाज से जिनको मैं ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिव आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए लिख दिया। मैं माफी मांगता हूं। अपने उन तमाम सहयोगी दोस्तों से, अपने परिवार से और उस समाज से, अपने परिवार से और अपने बोलने के तरीके लिए अभद्र भाषा के लिए। अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे। दरअसल, फुले फिल्म पर रिलीज में देरी और ब्ठथ्ब के बदलावों से परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर कई सवाल उठाए थे। इसके बाद कश्यप को ब्राह्मण समुदाय ने जमकर ट्रोल किया था ।अनुराग पर निशाना साधते हुए एक यूजर ने लिखा था– ब्राह्मण तुम्हारे बाप हैं, जितना तुम्हारी उनसे सुलगती, उतना तुम्हारी सुलगाएंगे। इसका जवाब देते हुए फिल्मेकर ने लिखा था–ब्राह्मण पे मैं मूतूंगा, कोई प्रॉब्लम? ऐसी टिप्पणी के बाद अनुराग और भी विवादों में आ गए।

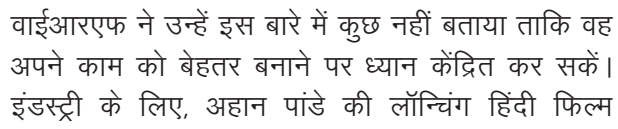

मोहित सूरी बनाने जा रहे हैं बेहद रोमेंटिक फिल्म सैय्यारा, फिल्म में एक-दूजे के प्यार में डूबेंगे अहान पांडे और अनीत पड्डा

यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी एक नई और बेहद रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म का नाम 'सैय्यारा' होगा। मंगलवार को मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी आधिकारिक घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अपनी रिलीज डेट और लीड एक्टर्स के नाम भी अनाउंस किए हैं। अनन्या पांडे की कजिन और चंकी पांडे के भतीजे सूरी की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करते नजर आएंगे। पिछले साल फरवरी में अहान के डेब्यू की घोषणा की गई थी। अभिनेता चंकी पांडे के भतीजे अहान को करीब छह साल पहले आदित्य चोपड़ा द्वारा व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजरने के लिए वाईआरएफ टैलेंट के रूप में साइन किया गया था। जब अहान के डेब्यू की घोषणा की गई थी, उस समय एक सूत्र ने कहा थारू "आदित्य चोपड़ा ने सालों तक अहान को व्यक्तिगत रूप से आकार दिया है। वाईआरएफ ने उन्हें इस बारे में कुछ नहीं बताया ताकि वह अपने काम को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इंडस्ट्री के लिए, अहान पांडे की लॉन्चिंग हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में किसी युवा द्वारा सालों में की गई सबसे बड़ी शुरुआत है और ल्थ उन्हें स्टार बनाने का इरादा दिखा रहा है। जिस बड़े प्रोजेक्ट के लिए उन्हें साइन किया गया है, वह मोहित सूरी की प्रेम कहानी है! मोहित सूरी द्वारा निर्देशित, यह एक गहन प्रेम कहानी है जो 2025 की दूसरी छमाही में बड़े पर्दे पर आएगी। अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत, सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। और जबकि यह ज्ञात है कि अहान अभिनेत्री अनन्या पांडे के चचेरे भाई हैं, अनीत के बारे में बहुत कुछ ज्ञात नहीं है। अनजान लोगों के लिए, यह उनकी पहली फिल्म नहीं है।

सैयारा अभिनेत्री अनीत पड्डा के बारे में आपको जो कुछ भी जानना चाहिए

14 अक्टूबर 2002 को जन्मी अनीत पड्डा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सलाम वेंकी से अपने अभिनय की शुरुआत की। रेवती द्वारा निर्देशित स्लाइस–ऑफ–लाइफ फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। जब उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तब उनकी उम्र 20 साल थी। अनीत को काजोल, विशाल जेठवा, राहुल बोस, अहाना कुमरा और अन्य के साथ देखा गया था।

जिंदगी से तंग आकर मनोज बायपेयी करना चाहते थे सुसाइड, फिर ऐसे जमाए इंडस्ट्री में पैर

हिंदी इंडस्ट्री के शानदार कलाकार माने जाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी आज यानी की 23 अप्रैल को अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। मनोज बाजपेयी ऐसे अभिनेता हैं, जो किरदार कैसा भी हो वह उसमें पूरी तरह से ढल जाते हैं। मनोज बाजपेयी ने मायानगरी में अपना शानदार व्यक्तित्व गढ़ा है। हालांकि एक्टिंग की दुनिया में आने का सफर आसान नहीं रहा है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता मनोज बाजपेयी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

बिहार में 23 अप्रैल 1969 को मनोज बाजपेयी का जन्म हुआ था। भले ही वह बिहार के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखते थे, लेकिन बचपन से ही उन्होंने एक्टर बनने का ख्वाब अपने दिल में बसा लिया था। हालांकि मनोज बाजपेयी के पिता चाहते थे कि मनोज डॉक्टर बने और इसके लिए वह दिन–रात उनको प्रोत्साहित करते थे। अभिनेता मनोज बायपेयी जब दिल्ली आए थे, तो उस समय उनके पास पैसे नहीं थे। उनको सिर्फ 300 रुपए में गुजारा करना पड़ता था। उनको घर से 150 रुपए मिलते थे, वहीं 150 रुपए वह नाटकों में अभिनय करके कमाते थे। लगातार 4 साल की मेहनत के बाद भी नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में मनोज को एडमिशन नहीं मिला। इस तरह से उन्होंने अपनी जिंदगी से तंग आकर मनोज बायपेयी ने सुसाइड करने का मन बना लिया था। लेकिन वह अपने दोस्तों के समझाने पर थिएटर करने लगे थे।

फिल्मी सफर

मनोज बायपेयी ने साल 1994 से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने शेखर कपूर की फिल्म श्बैंडिट क्वीनश से की थी। इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय सराहना मिली थी। इस फिल्म में अभिनेता मनोज बायपेयी के अभिनय को बहुत सराहा गया था। लेकिन अभिनेता को पहचान साल 1998 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म श्सत्याश से मिली थी। इस फिल्म के लिए अभिनेता को सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

> मनोज बायपेयी ने साल १९९४ से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने शेखर कपूर की फिल्म श्बैंडिट क्वीनश से की थी। इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय सराहना मिली थी। इस फिल्म में अभिनेता मनोज बायपेयी के अभिनय को बहुत सराहा गया था। लेकिन अभिनेता को पहचान साल १९९८ में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म श्सत्याश से मिली थी। इस फिल्म के लिए अभिनेता को सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

साल 2012 में आई फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' मनोज के करियर के लिए अहम फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में वह सरदार खान की भूमिका में दिखे थे। इस फिल्म के लिए अभिनेता मनोज बायपेयी को समीक्षकों और दर्शकों दोनों की सराहना मिली थी।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए महिलाएं रोजाना करें ये एक्सरसाइज, सेहत को भी मिलेंगे फायदे

हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए।

हर महिला के लिए 30–40 साल की उम्र का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इन हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस उम्र में महिलाओं को कौन सी एक्सरसाइज करना चाहिए।

कार्डियो एक्सरसाइज

रोजाना 30 से 40 साल की उम्र वाली महिलाओं को कार्डियो एक्सरसाइज करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी दिल की सेहत में सुधार होता है और वेट कंट्रोल होता है। इसलिए रोजाना 30 मिनट जॉगिंग, वॉकिंग, स्विमिंग या साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करना चाहिए। कार्डियो करने से उम्र के साथ हार्मोन असंतुलन भी ठीक होता है।

पिलाटेज

रोजाना 20 से 25 मिनट तक पिलाटेज एक्सरसाइज करने से महिलाओं की कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है और बैलेंस को मेंनटेन करने में सहायता मिलती है। वहीं 30 उम्र के बाद कमर, पीठ और शरीर के दर्द से राहत मिलती है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से महिलाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए रोजाना पुशअप्स, स्क्वाट्स और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज करना महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

हाई–इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

वहीं 30 साल की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग बनाने और वेट लॉस में हाई–इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग लाभकारी होती है। यह एक्सरसाइज करने से शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी कम करने और फिट रहने में सहायता मिलती है।

ब्रीदिंग और बैलेंसिंग एक्सरसाइज

बता दें कि सांस संबंधित एक्सरसाइज जैसे डीप ब्रीदिंग और प्राणायाम करने से मानसिक तनाव कम होता है। वहीं रोजाना ब्रीदिंग करने से शरीर को पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन मिलता है, जिससे शरीर का विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में सहायता मिलती है। वहीं बैलेंस एक्सरसाइज करने से सही तरीके से चलने और उठने–बैठने में आसानी होती है।

भूलकर भी दूध के साथ न खाएं ये चीजें, नहीं तो हो सकती हैं ये गंभीर बीमारी

दूध हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, आयरन जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध पीने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है और यह विकास में सहायक होता है। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार, कुछ चीजें हैं जिन्हें दूध के साथ नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनका सेवन करने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मछली

दूध और मछली का एक साथ सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मछली दोनों में प्रोटीन की अधिक मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। इस संयोजन से शरीर में पाचन क्रिया असंतुलित हो सकती है, जिससे पेट दर्द, उल्टी, और अन्य पाचन संबंधित समस्याएं जैसे गैस, अपच और पेट में भारीपन हो सकता है। इसके अलावा, इन दोनों के मिलाने से शरीर में विषाक्त तत्व उत्पन्न हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खट्टे फल

नींबू, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खट्टे फल में एसिड की अधिकता होती है, जो दूध के साथ मिलकर द्रव का खट्टापन बढ़ा सकती है और पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। इससे पेट में जलन, एसिडिटी, और अपच की समस्या हो सकती है। विशेष रूप से यदि आप खट्टे फल खाते हैं और फिर तुरंत दूध पीते हैं, तो यह दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट कर सकता है, जिससे पाचन तंत्र में असंतुलन हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप पेट में गैस, जलन और ताजगी की कमी महसूस हो सकती है।

नमक वाली चीजें

दूध के साथ नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, नमकीन, या खारे पकवान खाना भी हानिकारक हो सकता है। नमक और दूध का मिश्रण शरीर में सोडियम और लैक्टोज के बीच असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। यह रक्तचाप को बढ़ा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है। साथ ही, शरीर में पानी का असंतुलन हो सकता है, जिससे त्वचा की समस्याएं, जैसे सूजन और खुजली, और बालों का झड़ना भी हो सकता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र की समस्याओं को भी जन्म दे सकता है, जैसे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन।

शहद

आयुर्वेद के अनुसार, दूध और शहद का एक साथ सेवन शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है। यह संयोजन पाचन तंत्र पर असर डाल सकता है और त्वचा पर मुंहासे, रैशेज और जलन जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। शहद में प्राकृतिक शर्करा और दूध के प्रोटीन का मिलन शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण कर सकता है, जिससे शरीर की आंतरिक उर्जा असंतुलित हो सकती है। इसके अलावा, यह गैस्ट्रिक समस्याओं को भी उत्पन्न कर सकता है, जैसे कि अपच, पेट में भारीपन और ताजगी की कमी।

आलू

दूध के साथ आलू का सेवन भी नुकसानकारी हो सकता है। आलू में स्टार्च की अधिकता होती है, जो दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट करके शरीर में गैस और पेट की समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह संयोजन अपच, पेट दर्द और पेट में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। आलू में मौजूद कार्बोहाइड्रेट और दूध के प्रोटीन मिलकर पाचन तंत्र को धीमा कर सकते हैं, जिससे पेट में भारीपन और असुविधा महसूस हो सकती है।

मिठाइयां

दूध के साथ मिठाइयां जैसे मिठा पनीर, गुलाब जामुन, रसगुल्ला आदि खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मिठा दोनों का संयोजन रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे शरीर में ऊर्जा की कमी और सुस्ती महसूस हो सकती है। साथ ही, यह शर्करा के अधिक सेवन के कारण मधुमेह के खतरे को बढ़ा सकता है। इस संयोजन से शरीर में गड़बड़ हो सकती है, जिससे थकान, वजन बढ़ना और अन्य शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

चाय या कॉफी

चाय या कॉफी के साथ दूध का सेवन कई बार पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इन दोनों में मौजूद कैफीन और दूध के प्रोटीन का मिश्रण शरीर में पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। इससे ऊर्जा का प्रवाह सही तरीके से नहीं हो पाता और नींद में खलल पड़ सकता है। अगर आप चाय या कॉफी पीते हैं, तो दूध का सेवन बाद में करना बेहतर है। साथ ही, यह संयोजन पाचन तंत्र में गैस और अपच जैसी समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है।

खजूर

दूध के साथ खजूर का सेवन भी सावधानी से करना चाहिए। खजूर में उच्च मात्रा में शुगर होती है, और जब इसे दूध के साथ मिलाया जाता है, तो यह शरीर में पित्त का असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। पित्त बढ़ने से त्वचा पर रैशेज, मुंहासे और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस संयोजन से शरीर में गर्मी का प्रभाव बढ़ सकता है, जो त्वचा की समस्याओं और गैस्ट्रिक समस्याओं का कारण बन सकता है।इन बातों का ध्यान रखते हुए, दूध का सेवन सही तरीके से करना चाहिए ताकि आपके शरीर को इससे अधिकतम लाभ मिल सके और कोई भी स्वास्थ्य समस्या न हो।

सिर्फ चीनी नहीं, रोज नाश्ते में खाया जाने वाला ये फूड भी बढ़ा सकता है कैंसर का खतरा!

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, जो शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है और धीरे–धीरे पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाती है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि कैंसर सिर्फ बाहरी या प्रोसेस्ड फूड खाने से होता है, लेकिन एक ताजा स्टडी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है दृ कैंसर का कारण सिर्फ चीनी नहीं, बल्कि अंडा भी हो सकता है, जो हम में से कई लोग रोजाना नाश्ते में खाते हैं।

चीनी और कैंसर का गहरा कनेक्शन

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, कैंसर सेल्स को ग्रो करने के लिए शुगर यानी चीनी की जरूरत होती है। कैंसर से ग्रस्त सेल्स शरीर की सामान्य कोशिकाओं की तुलना में ज्यादा चीनी का इस्तेमाल करती हैं। खासतौर पर सफेद चीनी, जो हमारे घरों में आमतौर पर उपयोग होती है, कैंसर सेल्स को खुराक देती है। नाश्ते में ली जाने वाली मीठी चाय, ब्रेड जैम, मिठाइयाँ, या शक्कर वाले सीरियल्स सब कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। चीनी के ज्यादा सेवन से इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा बढ़ता है, जो आगे चलकर शरीर में सूजन और कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे सकता है।

अब अंडा भी शक के घेरे में! स्टडी में चौंकाने वाला दावा

सिर्फ चीनी ही नहीं, एक और आम चीज जो कैंसर के खतरे से जुड़ी हुई है दृ वो है अंडा। अंडा प्रोटीन और पोषण का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन हाल ही में हुई एक स्टडी में इसके बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

स्टडी की जानकारी

साल 1996 से 2004 के बीच उरुग्वे में एक रिसर्च की गई थी। इसमें 3,500 कैंसर मरीजों और 2,000 से ज्यादा अस्पतालों को शामिल किया गया। रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों ने अधिक मात्रा में अंडा खाया था, उनमें कैंसर की संभावना ज्यादा पाई गई। इस रिसर्च में यह भी सामने आया कि इन मरीजों में न केवल हाई कोलेस्ट्रॉल बल्कि धूम्रपान, अस्वस्थ खानपान और सूजन जैसी आदतें भी देखी गईं, जो कैंसर के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं।

कौन–कौन से कैंसर से जुड़ा है अंडे का सेवन?

स्टडी के अनुसार, अंडे का अत्यधिक सेवन इन प्रकार के कैंसर से जुड़ा हो सकता हैरू

कोलोरेक्टल कैंसर (आंतों का कैंसर)

लंग कैंसर (फेफड़ों का कैंसर)

ब्रेस्ट कैंसर (स्तन कैंसर)

प्रोस्टेट कैंसर (पुरुषों में ग्रंथि से जुड़ा कैंसर)

ब्लैडर कैंसर (मूत्राशय का कैंसर)

यह बात साफ कर दी गई है कि ये खतरा उन लोगों में ज्यादा पाया गया जो बहुत अधिक मात्रा में अंडे खाते थे। यानी संतुलित मात्रा में अंडा खाने से इतना जोखिम नहीं है।

सिर्फ अंडा और चीनी ही नहीं दृ ये चीजें भी बढ़ा रही हैं कैंसर का खतरा

बाजार में मिलने वाले रेडी–टू–ईट मील्स, फास्ट फूड्स, प्रोसेस्ड फूड्स, और शुगर ड्रिंक्स भी कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं। इन सब चीजों में मौजूद रसायन, संरक्षक (चतमेमतअंजपअमे) और अत्यधिक चीनी शरीर में कैंसर सेल्स की ग्रोथ को तेज कर सकते हैं।

क्या करें बचाव?

संतुलित मात्रा में अंडा और चीनी का सेवन करें।

रोजाना का खाना ताजा और घर का बना होना चाहिए।

फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं।

हर दिन थोड़ी बहुत एक्सरसाइज या योग करें ताकि शरीर एक्टिव रहे।

साल में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर कराएं।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के लिए केवल दवाओं पर नहीं, बल्कि अपने खान–पान और जीवनशैली पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। चीनी और अंडा जैसे रोजाना खाए जाने वाले फूड्स से भी कैंसर का जोखिम हो सकता है, अगर उनका सेवन जरूरत से ज्यादा और लगातार किया जाए। इसीलिए, सेहतमंद रहने के लिए हर चीज संतुलित मात्रा में खाएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए फायदेमंद होता है मेसो बोटोक्स, ढलती उम्र पर लग जाता है फुलस्टॉप

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो बढ़ती उम्र में भी एकदम जवां दिखती हैं और उनकी स्किन भी यंग लगती है। फिर भले ही वह कितना भी कहें कि उनकी यंग स्किन के पीछे का राज अच्छा खानपान है। जबकि यह पूरी तरह से सच नहीं होता है। अभिनेत्रियां यंग दिखने के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है कि आखिर बोटोक्स और मेसो बोटोक्स में क्या अंतर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेसो बोटोक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि यह किस तरह से काम करता है।

मेसो बोटोक्स का काम

अगर आप भी मेसो बोटोक्स कराने की सोच रहे हैं, तो इससे पहले यह जानना जरूरी है कि आखिर यह किस काम आता है। मेसो बोटोक्स एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को छिपाया जाता है। अगर आपके चेहरे और आंखों के आसपास फाइन लाइन्स और झुर्रियां आदि हैं। तो आप मेसो बोटोक्स की मदद ले सकते हैं। इसके इस्तेमाल रोमछिद्रों के आकार को कम करने, तेल उत्पादन को कंट्रोल करने और फेस पर पसीना कम करने के लिए किया जाता है।

कैसे करता ये काम

मेसो बोटोक्स में चेहरे के खास हिस्सों पर हायलूरोनिक एसिड के साथ पतले बोटुलिनम टॉक्सिन का इस्तेमाल किया जाता है। इस ट्रीटमेंट में माइक्रो नीडल का उपयोग किया जाता है। आमतौर पर मेसो बोटोक्स का इस्तेमाल आंखों के नीचे झुर्रियां, माथे की बारीक झुर्रियां, मुंह का दबा हुआ कोण, नासोलैबियल फोल्ड, गर्दन और हाथ की झुर्रियों को हटाने में मदद किया जाता है।

बोटोक्स से होता है अलग

बोटोक्स और मेसो बोटोक्स एक जैसे नहीं होते हैं। दोनों में काफी फर्क होता है। बोटोक्स का इंजेक्शन सीधे मांसपेशियों में लगाया जाता है। वहीं मेसो बोटोक्स का इंजेक्शन स्किन की सतह पर लगाया जाता है। मेसो बोटोक्स में कम मात्रा में बोटुलिनम पाया जाता है। जबकि बोटोक्स में बोटुलिनम का पर्याप्त इस्तेमाल किया जाता है। इसी वजह से मेसो बोटोक्स को बेबी बोटोक्स भी कहा जाता है।

जानिए इसका नुकसान

अगर आप भी मेसो बोटोक्स लेने का सोच रही हैं, तो किसी अच्छे स्किन एक्सपर्ट की सलाह लें। वह आपका स्किन टेस्ट करेंगे और उसके बाद ट्रीटमेंट की सलाह देंगे। इसको कराने के बाद फेस पर हल्की लालिमा का अनुभव होना सामान्य है। लेकिन अगर चेहरे की रेडनेस कम नहीं हो रही है, तो आपको फौरन डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए। इसकी वजह से आपके चेहरे पर सूजन हो सकती है।

संक्षिप्त

एयर इंडिया के सीईओ ने एआईएक्स बोर्ड का अध्यक्ष पद छोड़ा, इस अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने एयरलाइन की कम लागत वाली एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। विल्सन की जगह मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल लेंगे, जो पहले से ही एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोर्ड में हैं। अग्रवाल चेयरमैन की भूमिका संभालेंगे और एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के पद पर भी बने रहेंगे। यह खबर टाटा समूह की कम लागत वाली एयरलाइनों, एयर इंडिया एक्सप्रेस और AIX कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के अक्तूबर 2024 में विलय के छह महीने बाद आई है। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे ज्ञापन में कहा, आप अच्छी तरह से जानते होंगे, पिछले 18 महीनों में हमने एयर इंडिया समूह के परिवर्तन और पुनर्निर्माण के लिए कई संरचनात्मक बदलाव पूरे किए हैं। इनमें हमारी चार एयरलाइनों का विलय कर दो बनाना, गुरुग्राम में हमारी गैर–उड़ान टीमों को एक करना और एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों की नेतृत्व टीमों को तरोताजा करना शामिल है। विल्सन ने कहा, ''हमने प्रत्येक एयरलाइन और समग्र समूह के लाभ के लिए, सभी कार्यों में हमारी पूर्ण सेवा और कम लागत वाली एयरलाइनों के बीच संचार, सहयोग और समन्वय को बेहतर बनाने के लिए भी कड़ी मेहनत की है।'' उन्होंने कहा, ''इस संरचनात्मक कार्य के काफी हद तक पूरा हो जाने के बाद, अब समूह के बेड़े, नेटवर्क, बिक्री, वितरण और लॉयल्टी परिसंपत्तियों का पूरा लाभ उठाने की बारी है।। इसलिए मैंने निर्णय लिया है कि मेरे लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस बोर्ड के अध्यक्ष पद से हटने का समय आ गया है। निपुण अग्रवाल, जो पहले से ही एआईएक्स के बोर्ड में हैं, को अध्यक्ष की भूमिका संभालनी चाहिए (साथ ही एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के कर्तव्यों को भी जारी रखना चाहिए)। इससे समूह के नेटवर्क और वाणिज्यिक प्रयासों का बेहतर समन्वय हो सकेगा।''

10 लाख रुपये से अधिक की लग्जरी चीजों पर अब चुकाना होगा 1 प्रतिशत टीसीएस, सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, एजेंसी। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लग्जरी सामानों पर अब एक प्रतिशत स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 प्रतिशत की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। यह उन चीजों पर लागू होगा जहां बिक्री का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक होगा। विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर वित्त अधिनियम, 2024 के तहत टीसीएस लगाने का एलान जुलाई 2024 के बजट में किया गया था। टीसीएस का भुगतान करने की जिम्मेदारी विक्रेता पर होती है, जिसे वह ग्राहकों से ही वसूलते हैं। यह टैक्स अधिसूचित वस्तुओं जैसे कलाई घड़ी, कला वस्तुएं जैसे पेंटिंग, मूर्तियां और प्राचीन चीजें, संग्रहणीय चीजें जैसे सिक्के और टिकट, नौका, हेलीकॉप्टर, लग्जरी हैंडबैग, धूप के चश्मे, जूते, उच्च श्रेणी के खेल परिधान व उपकरण, होम थिएटर सिस्टम और रेसिंग या पोलो के घोड़े आदि पर लागू होगा। नांगिया एंडरसन एलएलपी के टैक्स पार्टनर संदीप झुनझुनवाला के अनुसार यह अधिसूचना उच्च मूल्य वाली चीजों की निगरानी बढ़ाने और लग्जरी सामानों से जुड़े खंड में ऑडिट ट्रेल को मजबूत करने की सरकार की मंशा के तहत जारी की गई है। यह कर आधार का विस्तार करने और अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य का परिचायक है। उन्होंने बताया कि विक्रेताओं को अब टीसीएस प्रावधानों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। वहीं, अधिसूचित लग्जरी वस्तुओं के खरीदारों को ऐसी चीजें खरीदते समय और अधिक केवाईसी आवश्यकताओं और दस्तावेजीकरण का सामना करना पड़ेगा। झुनझुनवाला ने कहा, ष्हालांकि इस फैसले से लग्जरी सामानों से जुड़े क्षेत्र को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इस फैसले से बेहतर नियामकीय निगरानी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

RBI: उपभोग–निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन, कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं।घ्ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआईघ्ने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कृषि आय में हो सकती है वृद्धि

बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति शृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

पहलगाम आतंकी हमला: पाकिस्तान से खेल संबंध समाप्त करने की मांग, सचिन–कोहली ने भी आतंकी हमले पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

सचिन–कोहली ने पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है। सचिन ने लिखा, पीड़ित परिवार अकल्पनीय कष्ट से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया भर में लोग इस कठिन समय में उनके साथ हैं। हम इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं और न्याय की प्रार्थन करते हैं।

श्रीवत्स गोस्वामी ने चौंपियंस ट्रॉफी का दिया उदाहरण

इस बीच, पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के खेल संबंध समाप्त करने की मांग कर डाली है। गोस्वामी ने लिखा, इसलिए मैं कहता हूं कि आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलें। ना सिर्फ अभी, बल्कि कभी नहीं। जब बीसीसीआई या सरकार ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से इन्कार किया था तो कुछ लोगों ने कहा था कि

खेल को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। लगता है कि निर्दोष भारतीयों की हत्या करना पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बना गया है और भारत को जीरो टोलेरेंस के तहत जवाब देना चाहिए, ना कि बल्ले और गेंद से।

भारत–पाकिस्तान के बीच नहीं होती द्विपक्षीय सीरीज

मालूम हो कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2012–13 से ही द्विपक्षीय सीरीज बंद है। बीसीसीआई ने फरवरी–मार्च में हुए चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम भेजने से मना कर दिया था और भारतीय टीम ने फाइनल सहित अपने सभी मैच दुबई में खेले थे। गोस्वामी ने हाल ही में पहलगाम का दौरा किया था। गोस्वामी ने कहा कि उन्होंने घाटी में आशा और शांति लौटती हुई महसूस की थी। गोस्वामी ने कहा, और अब फिर खूनखराबा हुआ। यह आपके अंदर कुछ तोड़ देता है। यह आपको यह सवाल करने पर मजबूर करता है कि हमसे और कितनी बार यह अपेक्षा की जाएगी कि हम चुप रहें, खेलते रहें, जबकि हमारे लोग मर रहे हैं। अब और नहीं। इस बार बिल्कुल नहीं।

विजेंद्र सिंह ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने भी कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, हमारे वीर जवान आने वाले समय में इस कायराना हमले का मुंहतोड़ जवाब जरूर देंगे। भारत माता के वीर सपूतों की मौजूदगी में जम्मू–कश्मीर में शांति भंग करने की चाहत रखने वालों के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

केएल राहुल ने आईपीएल में हासिल की बड़ी उपलब्धि, डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा, दिल्ली की जीत में चमके

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। राहुल आईपीएल में सबसे कम पारियों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। राहुल ने लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों से लखनऊ सुपर जाएंट्स को आठ विकेट से हराया। लखनऊ ने इकाना स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए।

5000 रन पूरे करने वाले आठवें बल्लेबाज

केएल राहुल ने इसके साथ ही आईपीएल में 5000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि पूरी की और डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया। वॉर्नर ने 135 पारियों में आईपीएल में 5000 रन पूरे किए थे। वॉर्नर ने 2020 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यह उपलब्धि नाम दर्ज की थी। इस सूची में तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 157 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि एबी डिविलियर्स 161 और शिखर धवन 168 पारियों के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। राहुल आईपीएल इतिहास में आठवें बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट में 5000 रन बनाए हैं। राहुल के अलावा कोहली, रोहित शर्मा, धवन, वॉर्नर, सुरेश रैना, महेंद्र सिंह धोनी और डिविलियर्स ऐसा कर चुके हैं।

दिल्ली की छठी जीत

मैच की बात करें तो दिल्ली ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। दिल्ली की आठ मैच में यह छठी जीत है। यह पांचवीं बार है जब किसी सीजन दिल्ली ने शुरुआती आठ में से छह मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने आईपीएल 2025 से पहले 2009, 2012, 2020 और 2021 सीजन में भी शुरुआती आठ में से छह मैच जीते थे। दिलचस्प बात यह है कि जब भी दिल्ली ने ऐसा किया है वो प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। इस जीत के साथ ही दिल्ली के 12 अंक हो गए हैं और वह गुजरात टाइटंस के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

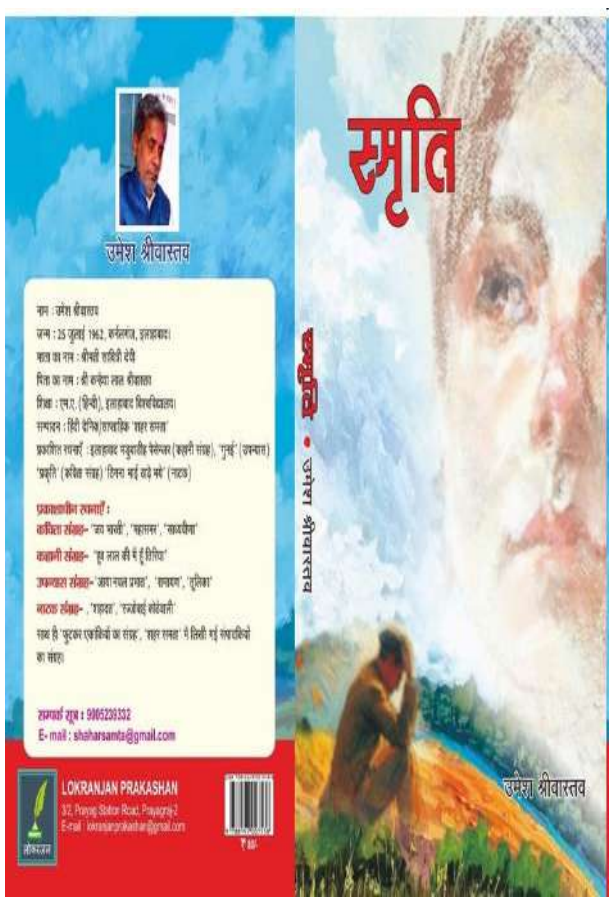

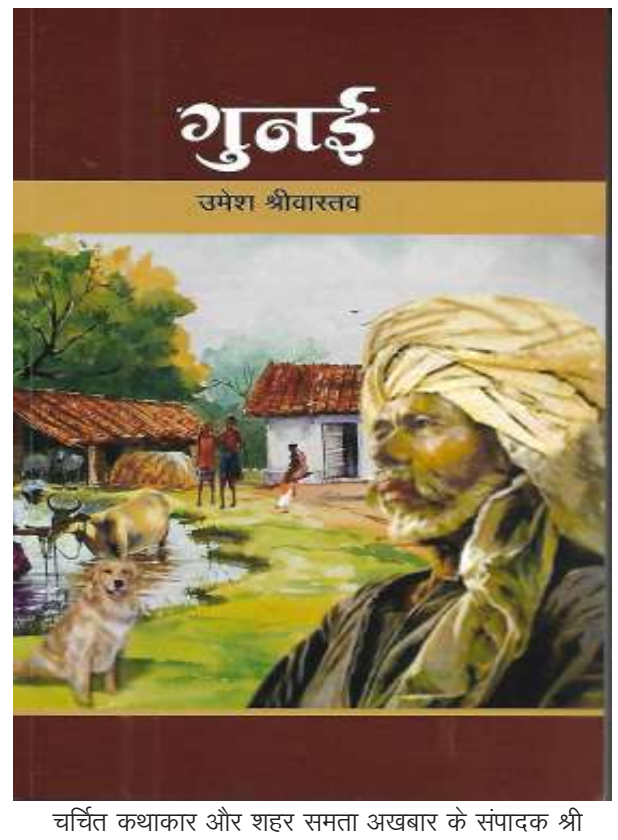

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

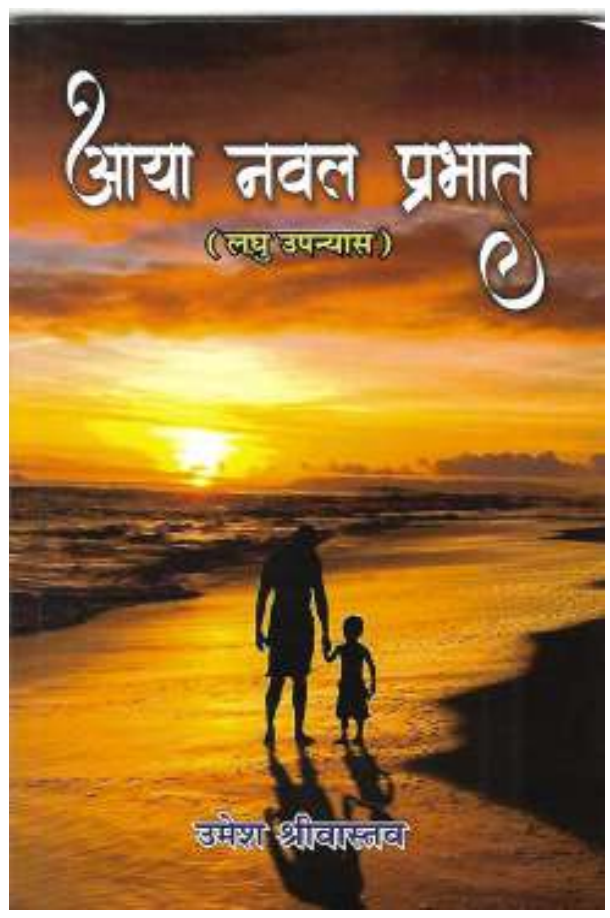

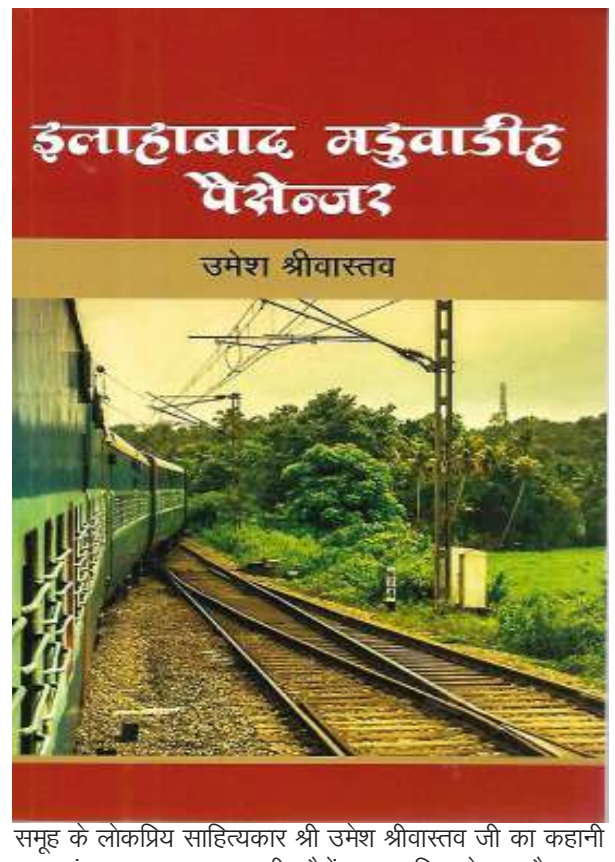

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

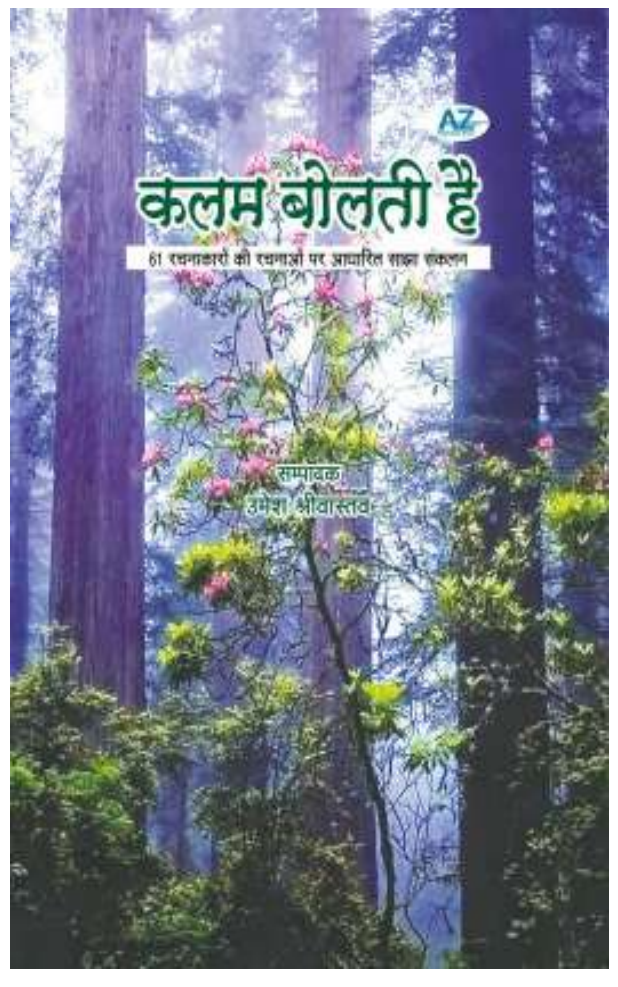

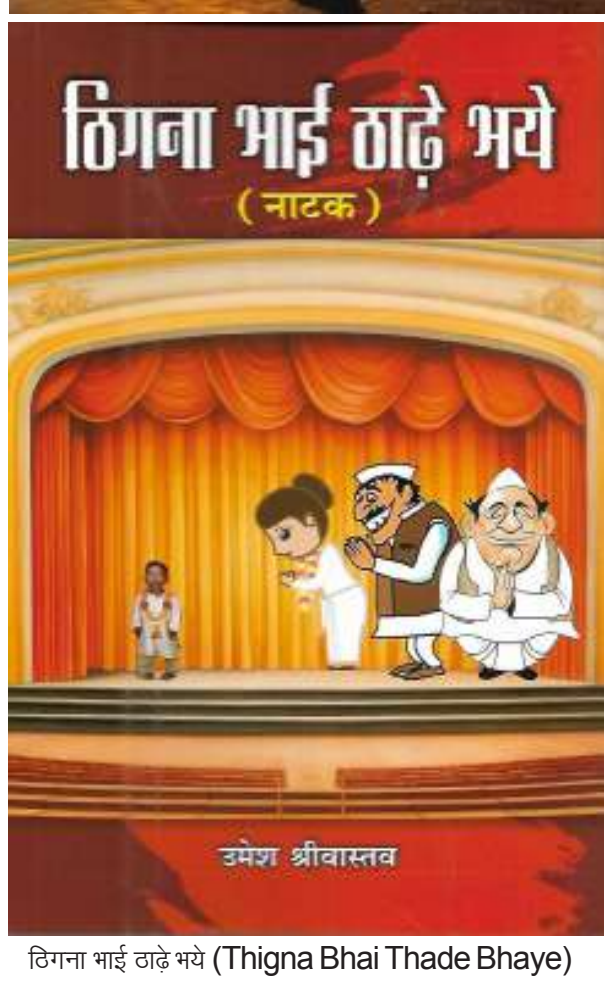

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप पहलगाम आतंकी हमले पर जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे : व्हाइट हाउस

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के संबंध में जल्द ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने यह जानकारी दी। 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव

कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा, ''राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने जानकारी दी है और जैसे–जैसे और तथ्य सामने आ रहे हैं, उन्हें अवगत करा रहे हैं। हमें पता चला है कि दक्षिण कश्मीर के एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर हुए एक क्रूर आतंकवादी हमले में कई लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप ''अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे।

बेल्जियम की अदालत ने चोकसी की जमानत याचिका खारिज की : वकील

बेल्जियम की एक अदालत ने पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। उसके वकील ने यह जानकारी दी। चोकसी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर 12 अप्रैल को बेल्जियम पुलिस ने एंटवर्प में गिरफ्तार किया था। चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि मंगलवार को अदालत की सुनवाई के दौरान उनके मुवक्किल की जमानत याचिका खारिज कर दी गई। चोकसी 2018 में भारत छोड़ने के बाद एंटीगुआ में रह रहा था और उसने कैरेबियाई देश की नागरिकता ले ली थी, जबकि उसकी भारतीय नागरिकता वैध बताई जाती है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने उत्तरी इजराइल को निशाना बनाकर मिसाइल दागी

यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को तड़के इज़राइल के उत्तरी क्षेत्र की ओर मिसाइल दागी। इज़राइली सेना के अनुसार, मिसाइल को इंटरसेप्टर के ज़रिए सफलतापूर्वक मार गिराया गया। यह हमला उस वक्त हुआ है जब अमेरिका पिछले एक महीने से हूती विद्रोहियों पर लगातार हवाई हमले कर रहा है। इजराइली सेना के अनुसार, हमले के बाद हाइफा, क्रायोट और गलील सागर के पश्चिमी इलाकों में सायरन बजाए गए और लोगों ने धमाकों की आवाजें सुनीं। हूती विद्रोहियों ने हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। आमतौर पर वे हमलों की पुष्टि में देरी करते हैं। अमेरिकी हवाई हमले बुधवार को जारी रहे। हूती विद्रोहियों के अनुसार, होदेदा, मारीब और सादा प्रांत में हमले किए गए, जिनमें मारीब में दूरसंचार उपकरणों को भी निशाना बनाया गया। ये उपकरण पहले अमेरिकी हमलों के केंद्र में रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ताजा हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हूती समूह भी नियंत्रित इलाकों की जानकारी साझा नहीं कर रहा है।

पोप फ्रांसिस के निधन पर इजरायल ने गलती से पोस्ट कर दिया शोक संदेश, फिर झट से किया उसे डिलीट

पोप फ्रांसिस ने 88 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। अपने निधन से पहले, उन्होंने 12 वर्षों तक रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृत्व किया। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद देश दुनिया से प्रतिक्रिया आईं, सभी ने शोक जताया। लेकिन इसी क्रम में एक मुल्क ऐसा भी है जिसने पोप फ्रांसिस के निधन के बाद एक पोस्ट किया और फिर उसे तुरंत डिलीट भी कर दिया। लेकिन हाईटेक हो चुकी दुनिया में वो उसे सुर्खियां बटोरने से नहीं रोक सके। ये मुल्क इजरायल है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोप फ्रांसिस की मृत्यु के बाद इजरायल द्वारा शोक संदेश पोस्ट किया गया और पोस्ट किए जाने के कुछ ही घंटों के भीतर इसे हटा दिया गया। अधिकारियों ने बाद में गलती से किया गया पोस्ट बताया। इसे हटाने का कारण गाजा में इजरायल की कार्रवाइयों की पोप की मुखर निंदा बताया गया। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने एक निर्देश जारी किया, जिसमें सभी राजनयिक मिशनों को इस तरह के किसी भी पोस्ट को हटाने और वेटिकन दूतावासों में शोक संदेश पुस्तिकाओं पर हस्ताक्षर करने से परहेज करने का निर्देश दिया गया। यह निर्देश बिना किसी स्पष्टीकरण के आया, जिससे कई राजनयिक हैरान हो गए। एक राजनयिक ने वाईनेट न्यूज़ को बताया हमें कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला, केवल हटाने का एक स्पष्ट आदेश मिला।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पैसा और हथियार दोनों गंवाया, पहलगाम के जरिए पाकिस्तान ने कैसे मार ली पैर पर कुल्हाड़ी

अमेरिका-सऊदी का भारत को समर्थन शहबाज को बहुत भारी पड़ेगा

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है। जानकारी ये दी गई है कि इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने इस हमले की निंदा की है और भारत को अपना पूर्णतः समर्थन दिया है। उन्होंने कहा है कि हम इस आतंकी हमले की निंदा करते हैं और भारत को इस हमले के खिलाफ पूरा समर्थन देते हैं। उनका कहना है कि इसके गुनाहगारों के खिलाफ न्याय पाने के लिए हम पूरी तरह से भारत के साथ खड़े हैं। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर आतंकवाद के खिलाफ काम करेंगे। बता दें कि जम्मू–कश्मीर में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना सऊदी अरब दौरा बीच में ही रोक दिया और बुधवार की रात ही वापस लौटने का फैसला किया।

सऊदी प्रिंस ने की हमले की निंदा

सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले की निंदा की और मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। दोनों नेताओं ने पूरी ताकत से लड़ने का संकल्प लिया। भारत की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पीएम मोदी की सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाकात के दौरान यह चर्चा हुई। खाड़ी के एक और अहम देश और भारत के दोस्त संयुक्त अरब अमीरात ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि संयुक्त अरब अमीरात पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने वाले आतंकी हमले की निंदा करता है।

सुन्नी मुल्क हैं, भाई भाई से

सऊदी पर डोरे डालता पाकिस्तान

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका और सऊदी अरब का भारत के साथ आना एक बड़ा फैक्टर है। क्योंकि यूं तो सभी देश आतंकवाद से लड़ने में सहयोग की बात करते हैं। लेकिन सऊदी अरब की बात अलग है क्योंकि वहां सरकार पर्दे के पीछे कई ऐसे आतंकवादी संगठनों की फंडिंग करती है जो पूरी दुनिया में उत्पात मचाते हैं। ये गुट इस्लाम की कट्टर व्याख्या की बातें करते हैं। कई आतंकी हमलों में इन गुटों का हाथ रहा है। सऊदी अरब के लिए ये मामला फॉरेन पालिसी का है। लेकिन भारत के लिए आतंकवाद का मामला है क्योंकि हम इसके शिकार देशों में से एक हैं। पाकिस्तान और सऊदी की नजदीकी किसी से छुपी नहीं है। सलमान को निशाने पाकिस्तान से सम्मानित किया जा चुका है। एक दौर में तो इमरान प्रधानमंत्री रहते हुए मोहम्मद सलमान को घुमाने के लिए खुद ड्राइवर भी बन गए थे। सऊदी पाकिस्तान को भयानक आर्थिक मदद देता है और एक प्रकार का मॉरल सपोर्ट भी है। एक किस्म का कनेक्श है कि अपने दोनों सुन्नी मुल्क हैं, भाई भाई है।

ट्रंप प्रशासन का रवैया कुछ अलग

जहां तक बात अमेरिका की है तो पाकिस्तान को सैन्य सहायता निलंबित करने का ट्रम्प प्रशासन का निर्णय 2001 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी दंडात्मक कार्रवाइयों में से एक था। संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से पाकिस्तान द्वारा अफगान तालिबान और पाकिस्तान में इसकी शातिर हक्कानी शाखा के लिए सुरक्षित पनाहगाहों को लगातार स्वीकार करने से निराश था। इससे भी बदतर बात यह है रही कि पाकिस्तान ने दोनों समूहों को प्रत्यक्ष सैन्य और खुफिया सहायता प्रदान की जिसके परिणामस्वरूप अमेरिकी सैनिकों, अफगान सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों की मौत हुई है, साथ ही अफगानिस्तान में काफी अस्थिरता देखने को मिली। 9/11 के हमलों के बाद से पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक सहायता के साथ–साथ दंडात्मक उपायों के माध्यम से दबाव डालने के लिए मनाने के अमेरिकी प्रयास विफल नजर आए।

चीन, पाकिस्तान के साथ खड़ा है? बीजिंग-इस्लामाबाद के रिएक्शन की टाइमिंग जबरदस्त है

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर चीन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। नई दिल्ली में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में इस बर्बर आतंकी हमले की निंदा की। हालांकि चीन का यह बयान आतंकी हमले के एक दिन बाद आया है, लेकिन इससे भी दिलचस्प बात यह है कि इस पर पाकिस्तान और चीन की प्रतिक्रिया एक साथ आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी बुधवार को पहलगाम की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। चीनी राजदूत फेइहोंग ने ट्विटर पर लिखा कि पहलगाम में हुए हमले से स्तब्ध हूं और इसकी निंदा करता हूं। पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों और शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक सहानुभूति। सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करें। चीनी राजदूत के बयान के साथ ही पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी घटना पर प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तान ने भी जारी किया बयान

पहलगाम हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम भारत के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुए हमले में पर्यटकों की हत्या से चिंतित हैं। हम मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक बयान सामने आया था। पाकिस्तानी मीडिया को दिए गए बयान में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री इस बर्बर हमले के दौरान भी भारत के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूके। आसिफ ने कहा कि पहलगाम हमले से पाकिस्तान का कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के अंदर कई संगठन हैं। उनमें घरेलू स्तर पर विद्रोह है। एक–दो नहीं, बल्कि दर्जनों। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में सरकार के खिलाफ विद्रोह हो रहा है। यह घर में ही पनपा है। लोग अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। हिंदुत्व सरकार के खिलाफ विद्रोह हो रहा है जो अल्पसंख्यकों का शोषण कर रही है, जिसमें मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध शामिल हैं। जो वहां हो रहा है। हमारा इससे कोई लेना–देना नहीं है। हम किसी भी परिस्थिति में कहीं भी आतंकवाद का समर्थन नहीं करते हैं।

पीएम मोदी के भारत लौटने से घबरा गया पाकिस्तान! उठाया ये कदम, वायुसेना अलर्ट मोड पर

कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर आतंकी हमले में 26 से ज्यादा

लोगों की मौत हो गई है। कश्मीर पर हुए इस कायराना हमले को लेकर दुनियाभर से रिएक्शन आ रहे हैं। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सऊदी अरब की यात्रा को बीच में छोड़कर भारत आ गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह कल ही श्रीनगर के लिए रवाना हो गए। हाई लेवल मीटिंग का दौर शुरू हो गया है। आतंकवाद का पनाहगाह पाकिस्तान अब खौफजदा हो चला है। भारत से सटी सीमा में गश्त भी बढ़ा दी है।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने अपनी वायुसेना को अलर्ट मोड पर रखा है।पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान से रिएक्शन भी सामने आया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ये दावा कर रहे हैं कि पहलगाम हमले से हमारा कोई वास्ता ही नहीं हैं। हम हर आतंकी घटना की निंदा करते हैं।

पाकिस्तान के लाइव 92 न्यूज़ चौनल को दिए गए इंटरव्यू में आसिफ ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम के पास बैसरन मैदान में 28 लोगों की हत्या के बाद सऊदी अरब की अपनी हाई–प्रोफाइल यात्रा बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट आए हैं। हालांकि नई दिल्ली ने अभी तक आधिकारिक तौर पर किसी पर उंगली नहीं उठाई है, लेकिन आसिफ ने जवाबी हमला शुरू कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान का इससे कोई लेना–देना नहीं है।

नागालैंड से लेकर कश्मीर, छत्तीसगढ़, मणिपुर और दक्षिण में तथाकथित भारतीय राज्यों में क्रांतियां हो रही हैं। ये विदेशी हस्तक्षेप की कार्रवाई नहीं हैं, बल्कि स्थानीय विद्रोह हैं। यह बयान नई दिल्ली के लंबे समय से चले आ रहे रुख से एकदम अलग है कि सीमा पार आतंकवाद, खास तौर पर पाकिस्तान द्वारा कथित तौर पर समर्थित समूहों से, जम्मू–कश्मीर में अशांति को बढ़ावा मिलता है।

हालांकि, आसिफ ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि ये लोग अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। हिंदुत्ववादी ताकतें अल्पसंख्यकों, ईसाइयों, बौद्धों, मुसलमानों का दमन कर रही हैं और लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इशारों इशारों में जो आदेश दिया था, दहशतगर्दों ने उसका तत्काल पालन करके दिखा दिया

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के पीछे जो प्रमुख कारण उभर कर सामने आ रहे हैं उनमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की ओर से हाल में दिया गया उकसाने वाला बयान भी माना जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि मुनीर ने हाल ही में कश्मीर को पाकिस्तान की षाले की नसष बताया था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने अभी तक कोई निश्चित आकलन नहीं किया है, लेकिन कई खुफिया अधिकारियों ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि मुनीर के भड़काऊ भाषण, जिसमें उन्होंने मुसलमानों और हिंदुओं के साथ अलग–अलग व्यवहार

की बात कही थी, उसने लश्कर के एक गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को इस हमले की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित किया होगा। हम आपको बता दें कि टीआरएफ ने ही इस हमले की जिम्मेदारी ली है। खुफिया आकलन के अनुसार, लश्कर के शीर्ष कमांडर सैफुल्ला कसूरी उर्फ खालिद पर साजिश रचने का संदेह है। सूत्रों ने बताया कि रावलकोट स्थित लश्कर के दो कमांडरों की भूमिका भी जांच के दायरे में है, जिनमें से एक अबू मूसा बताया जा रहा है। हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के मुताबिक 18 अप्रैल को मूसा ने रावलकोट में एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें उसने कहा था कि कश्मीर में जिहाद जारी रहेगा, बंदूकें चलेंगी और सिर कलम करना जारी रहेगा। उसने कहा था कि भारत गैर स्थानीय लोगों को निवास प्रमाण पत्र देकर कश्मीर की जनसांख्यिकी बदलना चाहता है। पहलगाम में जिस तरह पर्यटकों को श्कलमाश पढ़ने के लिए कहा गया और जो नहीं पढ़ पाए, उन्हें गोली मार दी गई उससे यही साबित होता है कि आतंकवादियों ने हिंदुओं को ही मारने के स्पष्ट निर्देश दिये थे। हम आपको बता दें कि पिछले सप्ताह ही इस तरह की रिपोर्टें सामने आई थीं कि भारतीय खुफिया प्रतिष्ठान ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख की हिंदू विरोधी बयानबाजी को पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को फिर से संगठित करने के प्रयास के रूप में देखा है। इस तरह की भी रिपोर्टें थीं कि पाकिस्तान भारत में वक्फ अधिनियम में बदलावों के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाना चाहता है। हम आपको बता दें कि खुफिया एजेंसियों का प्रारंभिक आकलन है कि स्थानीय सहायकों द्वारा समर्थित लगभग छह आतंकवादियों ने हमला किया। एक सूत्र ने कहा, ऐसा लगता है कि हमलावर हमले से कुछ दिन पहले पहुंचे, रेकी की और फिर मौका देखकर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि अप्रैल की शुरुआत में, ऐसी सूचनाएँ मिली थीं कि आतंकवादियों ने कुछ होटलों की टोह ली है। बहरहाल, हम आपको एक बार फिर याद दिला दें कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने कहा था, ''हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति–रिवाज अलग हैं, हमारी परंपराएं अलग हैं, हमारे विचार अलग हैं, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यहीं से द्वि–राष्ट्र सिद्धांत की नींव रखी गई। हम दो राष्ट्र हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं।श्श इस बयान पर गौर करते हुए आप आतंकवादियों द्वारा किये गये कृत्य को देखेंगे तो पाएंगे कि मुनीर का इशारा आतंकवादी समझ गये थे और उन्होंने वही किया जो मुनीर चाहते थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।